खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 16 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-286

DEEVYASHAKTI

AMARA

EXCEPTIONAL LIVING HAS ARRIVED IN RAJENDRA NAGAR

COME, EXPERIENCE IT!

2.5 BHK	1534 to 1588 Sq. ft	3 BHK	1703 to 2235 Sq. ft

DEEVYASHAKTI REALTY

PROJECT HIGHLIGHTS

- Rising neighbourhood of Gaganpahad, **Rajendra Nagar**
- **70%** Open spaces
- **426** Thoughtfully designed **2.5** & **3** residences
- **100%** Vaastu oriented design
- **3** Majestic towers rising **G + 9** Floors
- **Neoclassical** architecture
- **24,000** sft Clubhouse
- International-style **car-free podiums**

PROJECT AMENITIES

- ROOFTOP SWIMMING POOL
- OUTDOOR & INDOOR SPORTS FACILITIES
- OUTDOOR & INDOOR GYM
- YOGA ZONE
- SKATING RINK
- CHILDREN'S PLAY AREA
- BUTTERFLY GARDEN
- HOME THEATRE
- MEDITATION & CONFERENCE ROOM
- ROOF TOP INFINITY SWMIING POOL
- BICYCLE LANE
- JOGGING TRACK / PEDESTRIAN PATHWAY
- CRICKET PRACTICE NET
- MINI SOCCER
- PARTY LAWN
- AMPHITHEATRE
- BASKET BALL PRACTICE COURT
- SUPERMARKET
- GUEST ROOMS
- CAFETERIA

DEEVYASHAKTI REALTY

8341 066 909 / 7868 909 909

sales@deevyashaktirealty.com

Survey no. 252, Gaganpahad, Hyderabad, Telangana 501323.

SCAN FOR BROCHURE

Strategic Partne

ANAROCK RESIDENTIAL

DEEVYASHAKTI
The Only Exclusive
DUPLEX TOWER IN KOKAPET
- Tower A - 6750 sft - 6810 sft (Simplex)
- Tower B-5185 sft (Simplex)
- Tower C (Duplex Tower) - 9195 sft to 14810 sft
- 87000 sft lush landscape with water bodies at podium level - 50 ft above ground
- Ceiling Heights - 12.5 ft for Duplex & 12 ft for Simplex
- Luxuriant interiors with European fittings and walk-in closets
- Spacious double height balconies with lake view in the Duplex Units
HAPPY Dhanteras
OPULENCE REIMAGINED
45 FLOORS WITH PANORAMIC LAKE VIEWS
5 floors and 51,234 sq ft of exclusive recreation in club marquise.
THE MARQUISE
by DEEVYASHAKTI & SSI
Kokapet
VILLA STYLE LIVING IN THE SKY
DEEVYASHAKTI
Sri Sreenivasa INFRA
A legacy of redefining living
Deevyashakti Realty: Transforming cityscapes and living experiences, we are dedicated to customer-centric design, timely delivery and uncompromising quality backed by a 30-year legacy of Deevyashakti Group.
Price on request
+91 9070 909 909
+91 9403 894 331
www.marquise.in
SITE LOCATION

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 16 । मूल्य-8 रु. । वर्ष-7 । अंक-286

कांग्रेस गरीबी हटाओ के नारे लगाती रही हमने देश को रुग्ण-5 से सम्पन्न-5 बनाया

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की रफ्तार अब रुकने वाली नहीं है। नए भारत का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत अब मुंहतोड़ जवाब देता है, ऑपरेशन सिंदूर और सर्जिकल स्ट्राइक करता है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखे तंज कसते हुए कहा कि वे दशकों तक गरीबी हटाओ के नारे लगाते रहे, लेकिन गरीबी कम नहीं हुई।

माओवादी आतंक 125 जिलों से सिमटकर अब 11 जिलों में रह गया है

कांग्रेस की नीति 'डूब रहा है, ताला लगाओ' की थी, जबकि आज पीएसयू रिकॉर्ड बना रहे हैं

अब भारत आतंकी हमलों के बाद चुप नहीं बैठता, बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता है

पीएम मोदी ने कहा कि माओवादी आतंक पर मैं बहुत बेचैनी महसूस करता था। जुबां पर ताला लगाकर बैठा था। आज पहली बार अपने दर्द को मैं आपके सामने बयां कर रहा हूं। मैं उन माताओं को जानता हूं जिन्होंने अपने लाल खोए हैं। उन माताओं की अपने लाल से आशाएं थीं। वे माओवादी आतंकियों की झूठी बातों में फंस गए। इसलिए 2014 के बाद हमारी सरकार ने पूरी संवेदनशीलता के साथ भटके नौजवानों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया। मैं देशवासियों को पहली बार कह रहा हूं कि उन्हें संतोष होगा, वे मुझे आशीर्वाद देंगे। 11 साल पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले माओवादी आतंक से प्रभावित थे, आज यह संख्या सिर्फ 11 जिलों तक सिमट गई है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं माओवादी आतंकी कथा सुनाना चाहता हूं। कांग्रेस के शासन में अर्बन नक्सलियों का इको सिस्टम था। वह इस कदर हावी था, बल्कि आज भी है... माओवादी आतंक की कोई भी घटना देश के लोगों तक नहीं पहुंचे, वह बहुत बड़ी सेंसरशिप चलाते थे। हमारे देश में आतंकवाद की इतनी चर्चा होती थी, आर्टिकल 370 पर चर्चा होती थी, लेकिन हमारी शहरों में कांग्रेस के राज में पनपे हुए अर्बन नक्सली माओवादी आतंक पर पर्दा डालने का काम करते थे। देश को अंधेरे में रखते थे। कुछ दिन पहले माओवादी आतंक के कई पीड़ित दिल्ली आए थे। यह बड़ी दर्दनाक चीज है। किसी की टांग नहीं थी, किसी की आंख नहीं थी। ये माओवादी आतंक के शिकार थे। सात दिन वह दिल्ली में रहे। हाथ-पैर जोड़कर उन्होंने कहा कि हमारी बात हिंदुस्तान के लोगों तक पहुंचाइए। माओवादी आतंक के ठेकेदारों ने उनकी दर्द की कथा नहीं पहुंचने दी।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी कंपनियों पर कांग्रेस ताले लटकाकर चैन की नींद सो जाती थी। डूब रहा है, ताला लगाओ की नीति थी। कांग्रेस की सोच रही कि क्यों इतनी मेहनत करेंगे। डूबेगा तो डूबेगा, हमारी जेब से क्या जाएगा। हमने इस सोच को बदल दिया है। एलआईसी हो, एसबीआई हो या हमारे बड़े बड़े पीएसयू हों, सभी बड़े-बड़े रेकॉर्ड बना रहे हैं। जब सरकारी नीतियों के मूल में लोकतांत्रिकरण होता है, तो देशवासियों का मनोबल ऊंचा होता है। सरकार कहती रह गई गरीब हटाओ। इस परिवार के सारे भाषण सुन लीजिए। इस परिवार के जो-जो लाल किले पर भाषण फहराने गए हैं, कोई ऐसा नेता नहीं था, जिसने गरीबी पर भाषण नहीं दिया। लेकिन गरीब कम नहीं हुए।

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से देश में 60 साल तक सरकार चलाने वाली कांग्रेस ने हमेशा पॉलिसी के सरकारीकरण पर जोर दिया। जबकि बीते 11 सालों में हमने पॉलिसी के प्रोसेस के लोकतांत्रिकरण पर काम किया। अनस्टॉपेबल भारत के पीछे यह भी एक बड़ी वजह है। बैंकिंग का ही उदाहरण लीजिए। 60 के दशक में इंदिरा गांधी जी द्वारा बैंकों का क्या कहकर सरकारीकरण किया गया। कहा गया कि गरीबों, किसानों यानी आम लोगों तक सरकारी सुविधा पहुंचानी है, यह तर्क दिया गया। जबकि कांग्रेस ने क्या किया?

बैंकों को देश की जनता से और दूर कर दिया। गरीब तो बैंक के दरवाजे तक जाने से भी डरता था। 2014 में देश की आधी से अधिक आबादी के पास अपना एक खाता तक नहीं था। इसका मतलब था कि देश की बहुत बड़ी आबादी बैंकिंग से वंचित थी।

पीएम ने कहा, भारत में एक समय रिफॉर्म हुआ था। एक इकोसिस्टम उसके गीत बहुत गाता है। लेकिन वह कम्पलसन के कारण था। आज रिफॉर्म कन्विक्शन के कारण हो रहा है। आईएमएफ चीफ ने एक उदाहरण भी दिया कि बड़े स्तर पर डिजिटल आइडेंटिटि देना मुमकिन नहीं है। भारत ने सबको गलत करके दिखाया है। आज फिनटेक की दुनिया में 50 पर्सेंट ट्रांजेक्शन भारत में हो रहा है। भारत का यूपीआई दुनिया के डिजिटल पेमेंट सिस्टम को डोमिनेट कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया आज भारत में अपने लिए कितने बड़े अवसर हैं, इसे आशा के साथ देख रही है। जी-7 देशों के साथ हमारा ट्रेड 60 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ चुका है। पूरी दुनिया आज भारत को विश्वसनीय पार्टनर के रूप में देख रही है। निवेश की लहर भारत में आ रही है। यही निवेश भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन का सेंटर बना रही है।

उन्होंने आर्थिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा, भारत की एवरेज ग्रोथ 7.8 पर्सेंट रही है। यह अभूतपूर्व है, अप्रत्याशित है। ▶10 पर

अब भारत से कोई दादागीरी नहीं कर सकता दुनिया सुनती है हमारी बात : राजनाथ सिंह

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजनाथ सिंह ने वहां एक बड़ा बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने दम भरते हुए कहा कि आज, जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है, तो दुनिया ध्यान से सुनती है कि भारत क्या कह रहा है। अब भारत के साथ कोई दादागिरी नहीं कर सकताफ और मुझे लगता है कि दुनिया का कोई भी देश ऐसी गलतफहमी नहीं पालेगा। इससे पहले राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, आरएमओ इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है और मैं यहाँ कार्यरत सभी लोगों के चेहरों पर उत्साह और गर्व देख सकता हूँ। मैं एलसीए एमके1ए और एसयू-30 विमान उड़ाने वाले पायलटों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

सिंह ने तेजस एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया। सिंह ने आगे कहा, आज एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन है। इस अवसर पर सभी को बधाई। नासिक की भूमि ऐतिहासिक है - भगवान शिव यहाँ त्र्यंबकेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह भूमि न केवल आस्था और भक्ति की है, बल्कि अब आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई है। ▶10 पर

मोदी ने श्रीलंका की पीएम और मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के ऐतिहासिक व बहुआयामी संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरीनी अमरासूरिया ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और सुदृढ़ बनाएगी। उन्होंने इस वर्ष अप्रैल में श्रीलंका की अपनी राजकीय यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसानायका के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर उपयोगी चर्चाएं की थीं। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-श्रीलंका के विशेष संबंधों को रेखांकित करते हुए साझा विकास यात्रा में मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने राष्ट्रपति डिसानायका को अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं और भविष्य में निरंतर संवाद की आशा जताई। इसी क्रम में, मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति सीसी को गाजा शांति समझौते में मिस्र की अहम भूमिका के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि यह ▶10 पर

गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदल

हर्ष सांघवी बने उपमुख्यमंत्री

अहमदाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता हर्ष सांघवी ने शुक्रवार को गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे एक दिन पहले ही राज्य के सभी 16 मंत्रियों ने कैबिनेट फेरबदल के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर इस्तीफा दे दिया था।

सांघवी, जिन्होंने 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार पीवीएस सरमा को 1,16,675 मतों से हराकर माजुरा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी, ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में आयोजित एक समारोह में गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

गुजरात की भाजपा सरकार ने शुक्रवार को 26 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल का गठन किया, जिसमें राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने उपमुख्यमंत्री और क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने मंत्री पद की शपथ ली। 2022 के विधानसभा चुनावों में आप उम्मीदवार को एक लाख से ज़्यादा मतों से हराकर भारी जीत हासिल करने वाले संघवी ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में कई जाने-पहचाने चेहरे शामिल हैं, जिनमें छह मंत्री वापस आए हैं: ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया, प्रफुल्ल पंसेरिया, पुरुषोत्तम सोलंकी और स्वयं संघवी। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई

केंद्र का जवाब मांगा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 1.05 करोड़ रुपये की उगाही की घटना को शुक्रवार को गंभीरता से लिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और 73 वर्षीय महिला द्वारा भारत के प्रधान न्यायाधीश ▶10 पर

अमित शाह ने साधा राजद पर निशाना

15 साल के जंगलराज ने बिहार को आधी सदी पीछे धकेला

सारण, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में दिवंगत अपराधी शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की कड़ी आलोचना की। सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि बिहार को सुरक्षित रखने के लिए मोदी-नीतीश की जोड़ी को फिर से सत्ता में लाना होगा। शाह ने कहा कि मैंने राजद-राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवारों की सूची देखी है, और उसमें शहाबुद्दीन के बेटे का नाम भी है। अगर राजद शहाबुद्दीन के बेटे को चुनाव का टिकट दे दे, तो क्या बिहार सुरक्षित रह सकता है? अगर हमें बिहार को सुरक्षित रखना है, तो हमें मोदी-नीतीश की जोड़ी को फिर से लाना होगा।

राजद ने आगामी चुनावों के लिए शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। अमित शाह ने कहा, बिहार में हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ▶10 पर

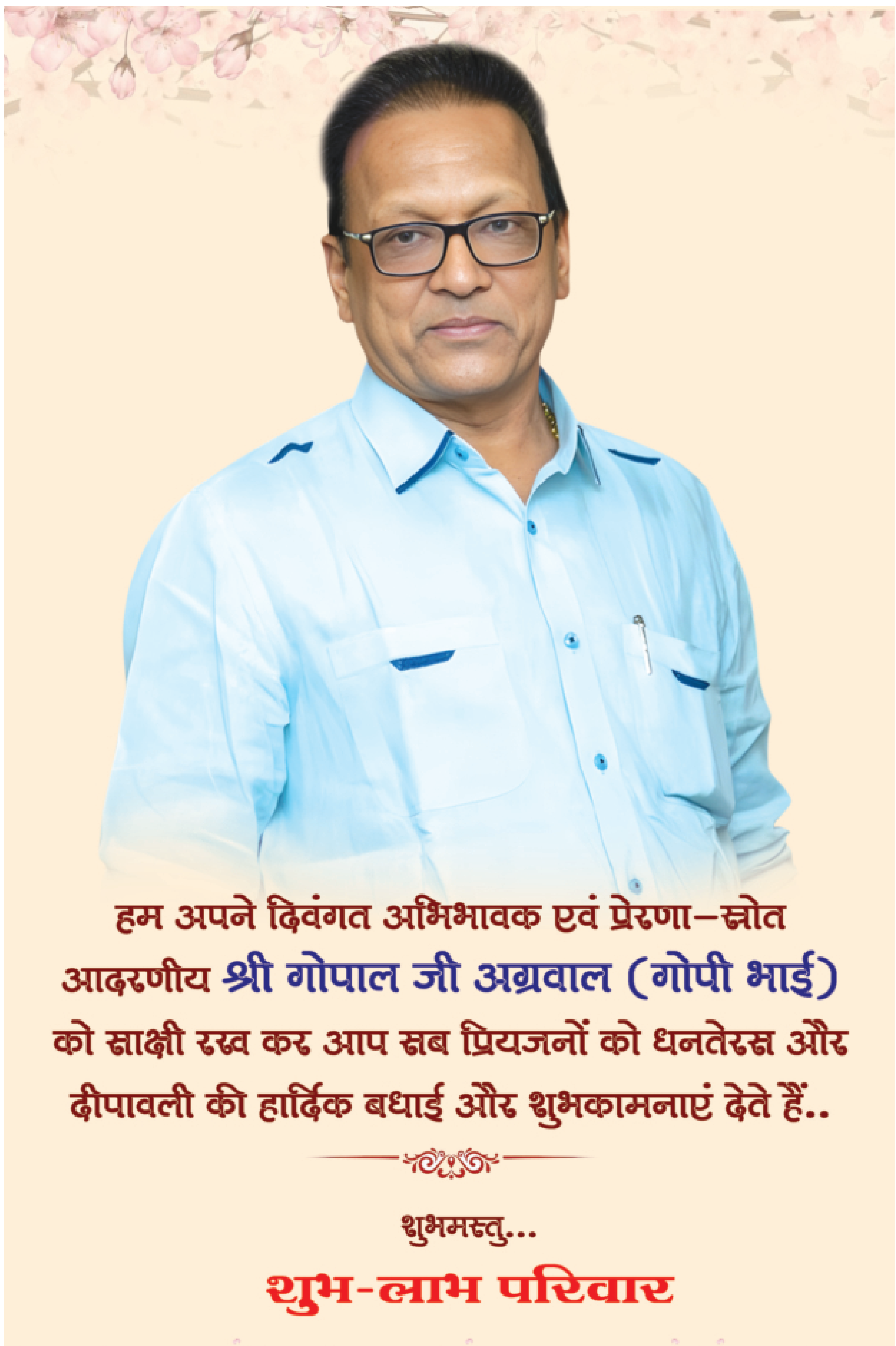

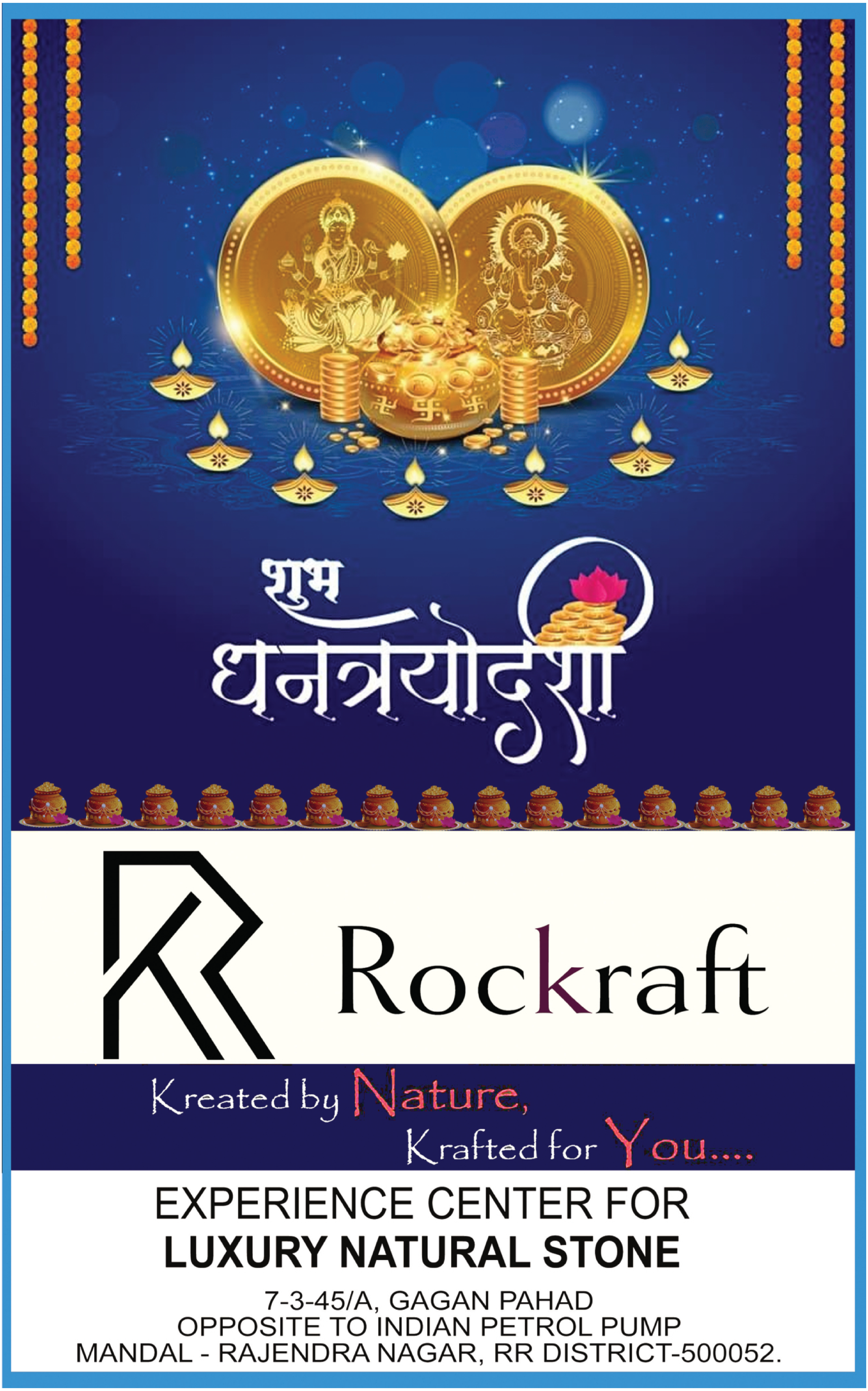
शुभ
धनत्रयोदशी
Rockraft
Kreated by Nature,
Krafted for You....
EXPERIENCE CENTER FOR
LUXURY NATURAL STONE
7-3-45/A, GAGAN PAHAD
OPPOSITE TO INDIAN PETROL PUMP
MANDAL - RAJENDRA NAGAR, RR DISTRICT-500052.

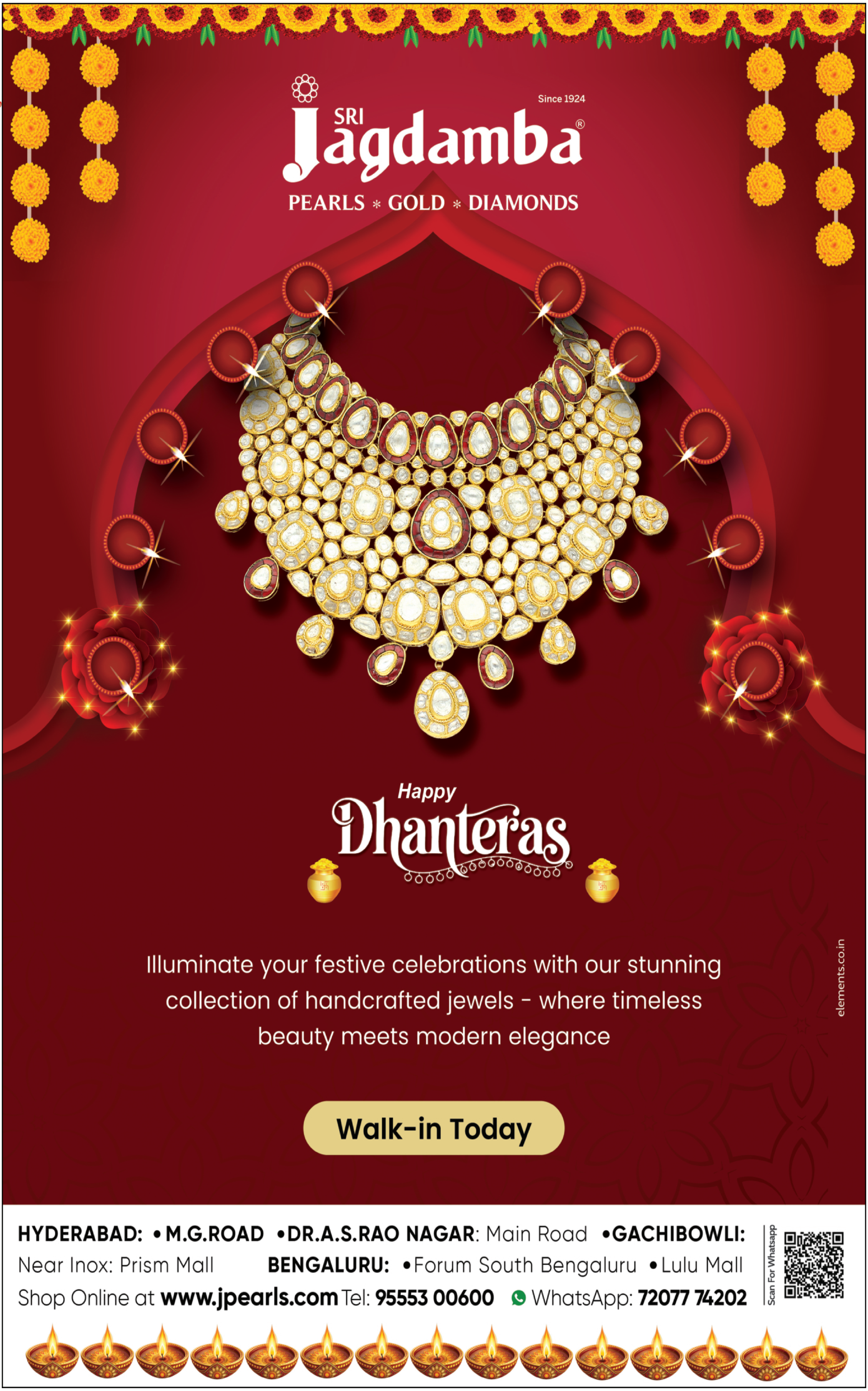
SRI Jagdamba®
Since 1924
PEARLS * GOLD * DIAMONDS
Happy Dhanteras
Illuminate your festive celebrations with our stunning collection of handcrafted jewels - where timeless beauty meets modern elegance
Walk-in Today
elements.co.in
HYDERABAD: •M.G.ROAD •DR.A.S.RAO NAGAR: Main Road •GACHIBOWLI: Near Inox: Prism Mall
BENGALURU: •Forum South Bengaluru •Lulu Mall
Shop Online at www.jpearls.com Tel: 95553 00600 WhatsApp: 72077 74202
Scan For Whatsapp

संपादकीय

गाजा में कत्लेआम जारी

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप मसखरी करते रहें या विभिन्न देशों के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों के सामने शेखी बघारते रहें अथवा दुनिया में शांति के नाम पर धौंस दिखाते रहें या रूस को 'टॉमहॉक' विनाशक क्रूज मिसाइलों की धमकी देते रहें, लेकिन फिलिस्तीन के गाजा में शांति फिलहाल अधूरी है। यह तब तक निरर्थक रहेगी, जब तक हमास के आतंकवादी हथियार नहीं डाल देते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां भी शेखी बघारी है कि यदि हमास ने हथियार नहीं छोड़े, तो हम उसे निरस्त्र कर देंगे। शांति-समझौते पर दस्तखत कर हमास ने निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई थी। सह-अस्तित्व शांति की बात स्वीकार की थी। बेशक युद्धविराम हो गया। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। 4 बंधकों के शव भी सौंपे हैं और 20 बंधकों के शव अभी लौटाने हैं। हमास उन लाशों को रख कर क्या करेगा? इजरायल ने भी करीब 2000 फिलिस्तीनी और हमास के कैदी रिहा किए हैं। उनमें करीब 250 कैदी आजीवन कारावास के सजायाफ्ता थे। शांति के 20-सूत्रीय समझौते को पूरी तरह लागू करना चाहिए था, लेकिन 11-13 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने चेहरे पर नकाब पहन कर, आईएसआईएस आतंकियों की तर्ज पर, कुछ लोगों को घुटनों के बल बिठाया और पीछे से गोलियों की बौछार कर दी। हमास इन दो दिनों में 60 से अधिक लोगों की हत्याएं कर चुका है। मृतकों पर जासूसी के आरोप चस्पां किए गए और कत्लेआम कर दिया। हम इसे 'नरसंहार' करार देते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप और कतर, मिस्र, तुर्किये सरीखे पर्यवेक्षक देशों के शांति-प्रयास बेमानी हैं। जब तक सभी हितधारक देश कानून नहीं बनाते और हमास के स्थान पर अरब एवं अंतरराष्ट्रीय सेना बल का गठन नहीं होता और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के हाथों गाजा और पश्चिमी तट आदि का शासन नहीं दिया जाता, तब तक हमास का आतंकवाद जारी रहेगा। हमास के लिए शांति और स्थिरता के मायने ये हैं कि फिलिस्तीन में उनका वर्चस्व कायम रहे और नागरिक शासन उन्हीं के हाथों में रहे। क्या ट्रंप और अरब देशों ने गाजा में शांति और पुनर्वास का यही मसविदा, समझौता तैयार किया था? क्या गाजा के मौजूदा हालात इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा पर फिर हमले शुरू करने को विवश कर रहे हैं? फिर शांति को पलीता लगा दिया जाएगा? राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राष्ट्र से अभी तक ऐसा प्रस्ताव पारित नहीं करा पाए हैं, जो गाजा में हमास के निरस्त्रीकरण और सुरक्षा की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति सेना का गठन कर सके। फिलिस्तीन सुरक्षा बल का गठन भी विचाराधीन है। गाजा के पुनर्वास और पुनरोत्थान पर जो अरबों डॉलर खर्च किए जाने हैं, वह राशि कहां से आएगी और कौन देगा, यह भी अभी तक अस्पष्ट है। यह भी अभी तक अस्पष्ट है कि उस फिलिस्तीनी कैबिनेट की नियुक्ति और प्रबंधन कौन करेगा, जो अंततः गाजा को चलाएगा? दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की अध्यक्षता वाला शांति-बोर्ड अभी तक क्यों नहीं बन पाया, यह ट्रंप ही जानते हैं। ट्रंप को नेतन्याहू से अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह हमेशा उनके साथ ही रहेंगे अथवा खिलाफ भी जा सकते हैं! क्या नेतन्याहू इजरायली राजनीति के केंद्र में आकर एक ऐसा गठबंधन बना सकते हैं, जो नए फिलिस्तीनी प्राधिकरण के साथ मिल कर हमास की जगह ले सके और हमास को फिलिस्तीन से बाहर फेंका जा सके? क्या इस तरह इजरायल गाजा और पश्चिमी तट पर शासन करने की मंशा पूरी कर सकेगा? या नेतन्याहू वही खेल जारी रखेंगे, जो वह 1996 से अमरीकी राष्ट्रपतियों के साथ खेलते आए हैं? बहरहाल हमास के आतंकियों ने न केवल गाजा में कत्लेआम जारी रखा है, बल्कि वे सशस्त्र कई इलाकों में दिखाई दिए हैं। कहीं ट्रैफिक को नियंत्रित करते, तो कहीं तलाशी लेते हुए उन्हें देखा गया है। विश्लेषक मानते हैं कि हमास यह दिखाना चाहता है कि गाजा पर अब भी उसका शासन और वर्चस्व है। इजरायल का मानना है कि कुछ फिलिस्तीनी कबीले हमास से भिडऩे की तैयारी में हैं। स्थानीय मिलिशिया समूहों ने ऐलान किए हैं कि हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, मरना पसंद करेंगे। गाजा में ऐसा टकराव बढ़ता रहा, तो वहां 'हैती जैसे हालात' बन सकते हैं। कमोबेश शांति की बात जमीनी नहीं है।

प्रधानमंत्रियों के सामने शेखी बघारते रहें अथवा दुनिया में शांति के नाम पर धौंस दिखाते रहें या रूस को 'टॉमहॉक' विनाशक क्रूज मिसाइलों की धमकी देते रहें, लेकिन फिलिस्तीन के गाजा में शांति फिलहाल अधूरी है। यह तब तक निरर्थक रहेगी, जब तक हमास के आतंकवादी हथियार नहीं डाल देते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां भी शेखी बघारी है कि यदि हमास ने हथियार नहीं छोड़े, तो हम उसे निरस्त्र कर देंगे। शांति-समझौते पर दस्तखत कर हमास ने निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई थी। सह-अस्तित्व शांति की बात स्वीकार की थी। बेशक युद्धविराम हो गया। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। 4 बंधकों के शव भी सौंपे हैं और 20 बंधकों के शव अभी लौटाने हैं। हमास उन लाशों को रख कर क्या करेगा? इजरायल ने भी करीब 2000 फिलिस्तीनी और हमास के कैदी रिहा किए हैं। उनमें करीब 250 कैदी आजीवन कारावास के सजायाफ्ता थे। शांति के 20-सूत्रीय समझौते को पूरी तरह लागू करना चाहिए था, लेकिन 11-13 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने चेहरे पर नकाब पहन कर, आईएसआईएस आतंकियों की तर्ज पर, कुछ लोगों को घुटनों के बल बिठाया और पीछे से गोलियों की बौछार कर दी।

कुछ अलग

रसोई भई चकाचक...

राधिका! देख कौन आई हैं? तू भी मिल। हाउस-मेड राधिका किचन से बाहर आई। गेरुए से वस्त्र धारण किए, कई महीनों से अपने बालों को न धोती दिखती, लंबी जटाओं वाली, गले में ढेर सारी रुद्राक्ष की माला डाले उस महिला साधु को देख वह कुछ डर सी गई। बोली, 'कौन हैं मैडमजी ये?' 'अरे राधिका! ये हैं श्री-श्री 8004 महामंडलेश्वर साध्वी आनंदेश्वरी माता, मेरी गुरुजी, बहुत पहुंची हुई हैं। अभी-अभी प्रयागराज में जो 144 साल बाद महाकुंभ हुआ था न, उसी से साधना कर लौटी हैं।...हमारी ये गुरु माता जी, पता है सारे काम अपनी साधना से चुटकियों में कर देती हैं।' 'अरे छोड़ो मैडम जी, आपकी रसोई में जो सात दिन के बर्तन गंदे पड़े हैं, उन्हें न मांज पाएंगी ये, अपनी साधना से।...अब मैं जब सात दिनों से आई नहीं थी और आपने पूरी रसोई जूठे बर्तनों से भर रखी है।...ये पहले आईं होतीं, तो मुझे भी कुछ सहारा हो जाता। खैर।...अच्छा।...ये बताओ साधु मैडम जी! आप हमारी इन मैडमजी की रसोई में गंदे पड़े सौ बर्तनों को अपनी साधना शक्ति से कितने दिनों में मांज सकती हैं?' 'दिन नहीं. बच्चा! बस कुछ मिनटों में।' साध्वी माता बोलीं। 'मिनटों में नहीं, आप घंटों में ही कर दीजिए। मुझे भी आज कुछ सुख हो जाएगा।' '15 मिनट एकाग्र होने में, 15 मिनट अपनी सांसों को रोकने में और 15 मिनट कुंडलिनी-जागरण में और बस 45 मिनट में सारे बर्तन साफ।' साध्वीजी कह रही थीं। 'अच्छा तो मैडमजी! आपकी ये साधु माता अपना बर्तन-मांज-सफाई-प्रदर्शन-कार्यक्रम यहीं ड्राइंग रूम में सम्पन्न करेंगी या किचन में जाकर?' अपनी मालकिन से अच्छी खासी हिंदी सीख चुकी राधिका बोली। 'अरे राधिका! साध्वी माता को वहां नहीं जाना होता, जहां काम चाहिए।

हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलिस्तीन का रास्ता साफ होगा

इजराइल–हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी

भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की "कूटनीति की जीत" से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए। हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

देश दुनिया से

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल–प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन 2009 में पंजाब में "उप–जल संरक्षण अधिनियम" लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं। दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है। तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब–हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती। चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं। सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हज़ार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे। अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले। पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान–गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की "भावांतर भरपाई योजना" इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है। दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर "कस्टम हायरिंग केंद्र" स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की "फसल अवशेष प्रबंधन योजना" के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे। तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज़, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाज़ार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए। चौथा कदम होना चाहिए कृषि–पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.–126 या डी.आर.आर. धान–44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ–साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल–सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा। पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और "शून्य दहन ग्राम" घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में "पुसा डीकंपोजर" नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी। छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति–समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

आप का नजरिया

महंगाई की कितनी आपूर्ति

सरकारी कर्मचारियों का भुगतान फिर दिवाली की किस्त में दर्ज हुआ, तो हिमाचल सरकार ने महंगाई की आपूर्ति में तीन कदम बढ़ा दिए। सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सडक़ पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। कब तक एचआरटीसी के प्रदर्शन में सार्वजनिक धन को जलाना पड़ेगा। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा। यह इसलिए कि बिजली बोर्ड कर्मचारी ओपीएस बहाली की सतह पर गर्म मिजाज रखते हैं। यह स्वाभाविक आक्रोश हो सकता है क्योंकि कर्मचारी तो कर्मचारी है, चाहे एक डाल पर बैठे या दूसरी पर। गुनाह तो राजनीतिक होते हैं जो कब्र पर महल बनाकर पुण्य कमाना चाहते हैं। हैं कब्रें बहुत और हर विभाग में बहुत हैं। एचआरटीसी के ड्राइवर-कंडक्टर तो बूढ़ी, उम्रदराज और कंडम हो चुकी बसों को भी चलाने की जुर्रत करते हैं, लेकिन नित नए डिपो खोल कर सियासत ने कर्म की कब्रगाह खोद डालीं। यही हाल अन्य विभागों का है, सरकारी खर्चों का है, राजनीतिक नियुक्तियों का है, सरकारी कामकाज की गुणवत्ता का है और उस परिपाटी का भी है जो जनता को निराश करके सदा विद्यमान रहती है। प्रदेश की सारी मोहलतें, आर्थिक कुर्बानियां और वित्तीय निशानियां अगर बजट में खोजनी हों, तो सरकारी कर्मचारी की पगार, पेंशन और वित्तीय अधिकारों की फेहरिस्त तलवार बन जाती है। सरकार कब तक चैन मनाएगी, इसलिए फिलहाल तीन प्रतिशत दर से महंगाई का भत्ता दर्ज हुआ। यह दीगर है कि भत्तों की लंबित कतार इससे दूर नहीं हुई। अपेक्षाओं की सुगबुगाहट में केंद्रीय कर्मचारियों की डीए किस्तें दरबान की तरह सरकार के कक्ष के बाहर खड़ी हैं। केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल चुका है, तो यही मुकाबला राज्य की तस्वीर में अब 45 प्रतिशत हो गया, यानी कर्मचारी वर्ग को खुश करने की नीयत में राज्य सरकार को 13 प्रतिशत डीए का देय, अपनी फितरत में सहेज कर रखना होगा। हम पल भर के लिए सोचें कि हिमाचल किसके लिए कमाए, किसके लिए गवाए। निजी क्षेत्र, स्वरोजगार, व्यापार व उद्यम में लगे करीब 15 से बीस लाख लोगों पर सरकारी बजट का कोई उद्देश्य इतना सक्रिय क्यों नहीं होता। एक महत्त्वाकांक्षी युवा पीढ़ी के लिए रोजगार का ढांचा कब इतना जरूरी होगा कि सरकारें समय-समय पर यह भी बता सकें कि निजी क्षेत्र को बचाने के लिए भी कोई किस्त आमद हुई।

सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सडक़ पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा।

दृष्टि कोण

ममता बैनर्जी की चिंता से निकला समाधान

पिछले दिनों पश्चिमी बंगाल के एक मेडिकल कालेज में अध्ययन कर रही एक छात्रा से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। उससे पहले भी कोलकाता के ही एक मेडिकल कालेज में एक मेडिकल छात्रा की कालेज के भीतर ही सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। ऐसी बात नहीं कि देश के दूसरे हिस्सों में ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। यह पूरे देश की समस्या है। इसका समाधान क्या हो सकता है, इस पर भी समाजशास्त्री अपने विचार देते रहते हैं। दूसरे लोग भी विचार-विमर्श करते ही हैं। मामले पश्चिमी बंगाल के हैं और हो भी वहां हो रहे हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे प्रबुद्ध लोग हैं, तो जाहिर है प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चिंतित भी होंगी और समाज मे फैल रही इस बीमार मानसिकता और पाश्विकता से निपटने या उसे समाप्त करने के लिए रास्ता भी खोज रही होंगी। पिछले कल अगस्त महीने में कोलकाता के मेडिकल कालेज में बलात्कार और हत्या और कुछ महीने बाद ही मेडिकल कालेज में ही दूसरा बलात्कार, ममता बनर्जी की संवेदनशीलता को देखते हुए मानना चाहिए कि वे समाजशास्त्रियों के साथ मनन करके कोई रास्ता निकालेंगी ही, ऐसा बंगाल ही नहीं देश की जनता भी सोच रही थी। अब ममता बनर्जी ने साल भर गहन अध्ययन और धरातल के यथार्थ को देखते हुए समाधान का सटीक रास्ता निकाल लिया है और उन्होंने देश की जनता को मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी भी दी ताकि लड़कियां तुरन्त उसका पालन करना भी शुरू कर दें। ममता बनर्जी का सुझाव है कि लड़कियों को रात के वक्त घर से निकलना नहीं चाहिए। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके हिसाब से लड़कियों के लिए कितने बजे से रात शुरू हो जाती है? मसलन क्या सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक? यह जानना इसलिए जरूरी है कि यदि बंगाल या देश के अन्य हिस्सों की लड़कियां सचमुच मुख्यमंत्री के इस 'हुक्म' पर अमल करना चाहें तो टाइम लाईन का तो सभी को पता होना ही चाहिए। वैसे यदि ममता जी चाहें तो सूर्यास्त के बाद एक-दो घंटों की और रियायत भी दे सकती हैं। वैसे

ममता बनर्जी का यह समाधान नया नहीं है। एक बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकीं शीला जी ने भी प्रदेश में बलात्कार की एक घटना के बाद यही सुझाव दिया था। यह सुझाव और आदेश कुछ कुछ इस मनोवृत्ति में से उपजा है कि यदि ट्रेन एक्सीडेंट हो जाता है तो ट्रेन में बैठने से परहेज करना चाहिए। वैसे ममता बनर्जी शायद यह मानकर चलती हैं कि बलात्कार की घटनाएं रात के अंधेरे में ही होती हैं। इसलिए लड़कियों को केवल रात को घर में रहने के लिए कह रही हैं। यदि खुदा न खास्ता दिन में भी कुछ घटनाओं की रपट आ गई तो शायद वे यह सुझाव या हुक्म भी सुना सकती हैं कि लड़कियों को दिन में भी घर में ही रहना चाहिए। घर से बाहर तभी निकलना चाहिए जब कोई बहुत ही जरूरी काम हो। यदि हो सके तो अपने साथ किसी पुरुष संबंधी को लेकर ही निकलना चाहिए। जब घर से निकलना ही बन्द हो जाएगा तो कालेज में न लड़कियां रहेंगी और न ही बलात्कार का खतरा होगा। यह तो खुदा का शुक्र है कि अभी हाल में ही भारत की यात्रा पर आए हुए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को किसी ने बता नहीं दिया कि भारत में भी लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराधों की रोकथाम के लिए उस प्रदेश की मुख्यमंत्री, जिस प्रदेश में काबुलीवाला कहानी लिखी गई थी, भी कुछ कुछ उसी तर्ज पर उपाय कर रही हैं जिस तर्ज पर तालिबान ने अफगानिस्तान में कर रखे हैं। वैसे लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे क्रांतिकारी विचार पहली बार आए हों, ऐसा नहीं है। एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के शासन काल में भी यही होता था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरूरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भा-ई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। ख़ाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन ख़र्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय ख़राब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। ऐसे विवाद-स्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जी-वनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरूर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 12:20 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 03:42 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 01:47 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 10:12 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00,सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनत्रयोदशी , शनि प्रदोष व्रत , कार्तिक मासे दीप-दानम्

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ प्रदेश में तीन गुणा गति से हो रहा विकास : सैनी

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के कल्याण तथा उनके सर्वांगीण उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की विकास की नीति स्पष्ट है, नीयत साफ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में तीन गुणा गति से विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण, विधायक शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। वंचित अनुसूचित जातियों को दिया उनका अधिकार, सरकारी नौकरियों, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी हुई सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को उनका अधिकार दिया है। इससे इन जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी सुनिश्चित हुई है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है। सरपंच पद के लिए 5 प्रतिशत तथा अन्य पदों के लिए उनकी जनसंख्या का 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके अलावा, सरकार ने प्रजापति समाज को मिट्टी के बर्तन का कारोबार चलाने के लिए 1700 गांवों में आवा-पजावा जमीन का अधिकार पत्र दिया है। अब उनके काम में कोई बाधा नहीं आएगी। हमने प्रजापति समाज के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य के गठन से पहले के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक देने हेतु हरियाणा ग्राम शामलात भूमि अधिनियम 1961 में संशोधन किया है। पंचायतों व पालिकाओं की भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से काबिज परिवारों को मालिकाना हक देने का प्रावधान किया है। इसके तहत कोई भी नागरिक कलेक्टर रेट के डेढ़ गुणा मूल्य पर उस भूमि का मालिकाना हक बारे उपायुक्त को आ-वेदन कर सकता है।

उन्होंने कहा कि पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 31 मार्च, 2027 तक घरों की छतों पर 2 किलोवाट तक का सोलर सिस्टम लगभग मुफ्त में लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में अब तक 37,825 सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। अगर किसी को 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाना है तो तीसरे 1 किलोवाट के लिए 18 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है। पिछले 11 साल में 1 लाख 61 हजार 837 सोलर पंप लगाए हैं। इनमें से 33,553 सोलर पंप पिछले एक साल में लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दयालु योजना के तहत 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले 8,299 पात्र परिवारों को 309 करोड़ 67 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके अलावा, गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के तहत 71 हजार रुपये तक शगुन दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने किसान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। आज हरियाणा में सभी फसलों की खरीद एम.एस.पी. पर की जाती है। पिछले 11 फसल सीजन में 12 लाख किसानों के खातों में 1 लाख 54 हजार करोड़ रुपये सीधे डाले गए हैं। फसल बेचने के 48 घंटे के भीतर भुगतान हमारी ईमानदार व्यवस्था का उदाहरण है। इसके अलावा, पिछले साल बारिश कम होने से किसानों के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए खरीफ फसलों के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से बोनस के रुप में कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। सरकार ने फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 15 हजार करोड रुपये से अधिक की राशि दी है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक-2024 पारित करके पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाली का काम किया है। नकली खाद, बीज और कीटनाशक बनाने व बेचने वालों को 5 साल की सजा देने का कानून लागू किया। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए हमने भावांतर भरपाई योजना लागू की है। इस योजना के तहत लगभग 30 हजार किसानों को 135 करोड़ 37 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि किसानों के बैंक खातों में डाली गई।

नायब सरकार देश में विकास सुशासन और विश्वास की नई पहचान बनी : बड़ौली

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने प्रदेशवासियों को दीपावली त्योहार की बधाई देते हुए कहा कि भाजपा सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में हरियाणा का कमजोर व वंचित, महिला, युवा तथा किसान वर्ग खुशहाल हुआ है। जहां पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए गरीब व वंचित लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन आज भाजपा सरकार ऑनलाईन माध्यम से उनको घर बैठे योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। हरियाणा में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरे होने तथा मुख्यमंत्री नायब सैनी सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर शुक्रवार को रेलवे रोड़ स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस सोनीपत में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों का बखान किया वहीं विपक्ष को भी घेरा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 217 वायदें किए थे, जिनमें से अब तक नायब सरकार 48 वायदों को पूरा कर चुकी है और 90 वायदों को वर्ष 2025 के अंत तक पूरा कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वहीं करके दिखाती है। धरातल पर हुए कार्यों के विश्वास पर ही जनता ने तीसरी बार हरियाणा में भाजपा का परचम लहराने का कार्य किया। बडौली ने कहा कि पिछले दिनों हरियाणा में हुए शहरी निकाय चुनावों में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसकी बदौलत आज हरियाणा में ट्रिपल ईंजन की सरकार तीन गुणा रफ्तार से प्रदेश का विकास कर रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज भाजपा सरकार देश में विकास, सुशासन और विश्वास की नई पहचान बनी है। पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने जनकल्याण, पारदर्शिता और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा ने हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मंत्र के साथ राज्य ने समग्र विकास का रास्ता अपनाया है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से लाखों युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर सरकार नौकरी मिली है। पारदर्शी ट्रांसफर पॉलिसी से सरकारी तंत्र में जवाबदेही और निष्पक्षता आई। उन्होंने कहा कि ई-गवर्नेंस के जरिए प्रत्येक योजना और सेवा ऑनलाईन हुई, जिससे भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगी।बड़ौली ने कहा कि आज हरियाणा देश का पहला राज्य है जो किसानों की 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रहा है। फसलों के दामों का सीधे किसानों के खाते में भुगतान किया जा रहा है। मेरी फसल, मेरा ब्यौरा जैसी योजन-ाओं से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। सरकार ने मण्डियों में किसानों के लिए सभी सुविधाएं देने का कार्य किया है ताकि हमारे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रेलवे पुलिस चौकी इंचार्ज के खिलाफ भ्रष्टाचार का चालान पेश आत्महत्या मामले में मांगी थी रिश्वत

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो), हिसार ने भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपी पुलिस सहायक उप-निरीक्षक महेन्द्र सिंह (तत्कालीन इंचार्ज, रेलवे पुलिस चौकी हांसी) के विरुद्ध न्यायालय, हिसार में चालान पेश किया है। महेन्द्र सिंह के खिलाफ धारा 7, 13(1)बी सहपठित 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की गई है।

शिकायतकर्ता ने रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो, हिसार को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके दोस्त संदीप (गांव मइयड़, हिसार) ने 13.7.2025 को रेलवे लाइन पर आत्महत्या कर ली थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, डख महेन्द्र सिंह ने उसके एक अन्य दोस्त सोमबीर को फोन करके आत्महत्या के मामले में पूछताछ के लिए रेलवे पुलिस चौकी हांसी बुलाया। रिश्वत की मांग: 16.8.2025 को जब शिकायतकर्ता अपने दोस्त सोमबीर के साथ डख महेन्द्र सिंह से मिला, तो उप-निरीक्षक महेन्द्र सिंह ने उसे चौकी से बाहर बुलाकर कहा कि यह मामला बड़ा है, इसमें 20/30 हजार रुपये लगेंगे।

रिश्वत की सहमति: बार-बार अनुरोध करने पर, आरोपी महेन्द्र सिंह 15,000/- रुपये नकद रिश्वत लेने पर सहमत हो गया था। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 33 दिनांक 21.8.2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो, हिसार में मामला दर्ज किया गया था। अब ब्यूरो ने इस मामले में जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश कर दिया है।

राज्यपाल घोष ने 'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम का शुभारंभ कर 50 छात्राओं को कश्मीर के लिए किया रवाना

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की 50 छात्राओं को आज हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर कश्मीर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष और राज्यपाल के सचिव डी.के. बेहरा भी उपस्थित थे।

'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम मीडिया छात्र एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश सेवा से प्रेरणा लेकर आयोजित इस यात्रा में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों की छात्राएँ कश्मीर जाकर सीमाओं पर तैनात सैनिकों के साथ दीपावली का पर्व मनाएंगी। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आज हम अपने घरों में सुरक्षित रहकर खुशियाँ मना रहे हैं, तो इसका श्रेय हमारे उन वीर सैनिकों को जाता है जो सीमाओं पर देश की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियाँ इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल कायम कर रही हैं। हमें गर्व है कि हरियाणा की धरती सदा से शौर्य, पराक्रम और देशभक्ति के लिए जानी जाती रही है।

माननीय राज्यपाल ने छात्राओं के उत्साह, समर्पण और देश सेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियाँ आज शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक कार्यों सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। हमें हरियाणा की बेटियों पर गर्व है। भारतीय सैनिकों की अदम्य साहस और कर्त्तव्यनिष्ठा को रेखांकित करते हुए माननीय राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने जब भी जरूरत पड़ी दुश्मनों से डटकर सिर्फ मुकाबला ही नहीं किया बल्कि उन्हें भारी शिकस्त दी, चाहे 1948, 1965 व 1971 की लड़ाई हो या कारगिल युद्ध हो, हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा देश का नाम रोशन किया।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़ी छात्राओं, सहयोगी टीम और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। सम्मानित प्रतिभागियों में नैंसी नैन (टीम लीडर), आरती जांगड़ा एवं मुस्कान दुहान (पुलिस कोऑर्डिनेटर), साक्षी सिंह (आवास प्रबंधन), हेमंत शर्मा (मीडिया हेड) तथा आदित्य (व्यवस्था प्रबंधक) शामिल थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में एसीएस कुंजी लाल मीणा को सौंपा पुरूस्कार

जयपुर,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राज्य के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) में राजस्थान के देशभर में प्रथम रहने पर पुरूस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति विकास मंत्री जुएल ओराम और राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी भी उपस्थित थे।

धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम-जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है। कार्यक्रम के बाद एसीएस कुंजीलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।

अंता उपचुनाव 2025

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की सख्त तैयारी

जयपुर,17 अक्टूबर (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव एवं अंता तथा अन्य उपचुनावों के दौरान नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और अन्य प्रलोभनों की आवाजाही पर सख्त अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में प्रवर्तन और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान सक्रिय और निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करने की उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

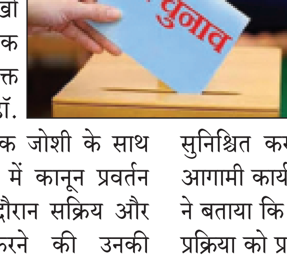

बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनावों में धन, शराब, नशीले पदार्थों और अन्य प्रलोभनों के प्रभावों से निपटने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था।बैठक में सीबीडीटी, सीबीआईसी, ईडी, डीअ-रआई, सीईआईबी, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, आईबीए, एनसीबी, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एएआई और डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वर्चुअल माध्यम से जुड़े।बैठक के दौरान विभिन्न एजेंसियों ने आयोग को अपनी तैयारियों, प्रलोभन-मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए उपायों और आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। एजेंसियों ने बताया कि धन और अन्य प्रलोभनों के जरिए चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी और समन्वय तंत्र तैयार किया गया है।निर्वाचन आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे आर्थिक अपराधों से जुड़ी खुफिया सूचनाओं का आपसी आदान-प्रदान और घनिष्ठ सहयोग सुनिश्चित करें ताकि प्रभावी कार्रवाई की जा सके। आयोग ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर समन्वय तंत्र को और मजबूत करने पर बल दिया।

मीट माफिया पर कार्रवाई

छापे में मिले 400 करोड़ की टैक्स चोरी के सबूत

संभल/लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी पर चार दिन चली आयकर विभाग की छापेमारी में करीब 400 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के सुराग मिले हैं। टीमों ने बोगस कंपनियों के दस्तावेज, चार करोड़ के जेवरात, दो करोड़ से अधिक नकदी और अघोषित खातों की डायरियां बरामद कीं। जांच में अवैध पशु कटान और नकद लेन-देन का खुलासा हुआ है।

संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी के ठिकानों पर चार दिन से जारी आयकर विभाग के छापों की कार्रवाई के दौरान करीब 400 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी अंजाम दिए जाने के पुख्ता सुराग मिले हैं। आयकर विभाग के छापों की कार्रवाई बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। अधिकारियों ने कंपनी के ठिकानों से तमाम बोगस कंपनियों से जुड़े संदिग्ध दस्तावेज, मोबाइल फोन, जमीनों की रजिस्ट्री, बैंक खातों की जानकारी और अघोषित हिसाब-किताब के ब्योरे वाली कई डायरियां बरामद की हैं। छापे में करीब चार करोड़ के जेवरात और दो करोड़ रुपए से अधिक नगदी भी बरामद हुई है।

जांच में सामने आया है कि कंपनी द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध पशुओं का कटान भी किया जा रहा था। कंपनी के ठिकानों पर टीमों के आते ही तमाम कर्मी अपने मोबाइल और दस्तावेज छोड़कर भाग गए, जिन्हें बरामद कर लिया गया। आयकर विभाग के अधिकारियों ने दिन-रात छानबीन जारी रखी और करीबन 20 घरों में अलमारियां को तोड़कर दस्तावेजों को बरामद किया। वहीं जांच में जिन बोगस फर्मों का पता चला है, उनके जरिये करोड़ों रुपए का लेन-देन हो रहा था। अधिकारियों को शक है कि यह रकम अवैध तरीके से पशुओं की खरीद में इस्तेमाल की जा रही थी, जिसके लिए बैंक से नकदी निकाल कर भुगतान किया जाता था। कंपनी संचालक इन बोगस फर्मों के मालिकों के बारे में जानकारी नहीं दे सके, जिससे अधिकारियों का शक और पुख्ता हो गया है।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को कंपनी के संचालकों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। इस दौरान कई कर्मचारियों ने अपनी जान का खतरा बताकर बयान देने से मना कर दिया। अब बरामद दस्तावेजों की जांच के बाद कंपनी के संचालकों के साथ इन कर्मियों को भी राजधानी स्थित आयकर विभाग की जांच इकाई में नोटिस देकर तलब किया जाएगा, जिसके बाद उनसे दोबारा पूछताछ होगी और उनका बयान दर्ज किया जाएगा। कंपनी के बूचड़खानों की जांच में तमाम अनियमितताएं मिली हैं। कंपनी द्वारा अनुमति से अधिक पशुओं का कटान किया जा रहा था। वहां के हालात देख अधिकारी भी हैरान रहे गए। वहीं कई ठिकानों पर जांच के लिए पहुंची टीमों को महिलाओं को आगे कर रोकने का प्रयास किया गया। अधिकारियों का कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पीछा भी किया गया। इसके बावजूद अधिकारियों ने हर ठिकाने पर छापा मारकर सबूत जुटाए। इसकी सूचना पर संभल पुलिस ने तत्काल अतिरिक्त फोर्स भेजी, जिसकी निगरानी में कार्रवाई अंजाम दी गई।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़ेगा दिल्ली-वाराणसी रेल गलियारा

नोएडा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली से वाराणसी तक प्रस्तावित उच्च गति रेल गलियारे को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने की तैयारी है। बताया गया है कि हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड ने इस परियोजना के तहत नोएडा हवाई अड्डे के परिवहन केंद्र (ट्रांसपोर्ट सेंटर) पर एक स्टेशन बनाए जाने की अस्थायी मंजूरी दी है। माना जा रहा है कि इससे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंच जल्द और आसान होगी। जिसका फायदा यात्रियों को मिलेगा। साथ ही रेल गलियारे से जुड़ा यह पहला हवाई अड्डा बन जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि स्टेशन को लेकर सहमति बनी है। इस परियोजना को लेकर आगामी चरणों में जमीन आबंटन व प्रारूप मसौदे को लेकर विस्तृत चर्चा करेगा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में इस गलियारे के तहत दो स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिसमें नोएडा सेक्टर-148 और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का सेक्टर 21 शामिल है। इस स्टेशन को परिवहन केंद्र के हिस्से के रूप में बनाया जाएगा। यहीं से यात्रियों को मेट्रो, बस, टैक्सी और अन्य परिवहन सेवाओं का सीधा फायदा मिलेगा। दिल्ली-वाराणसी उच्च गति रेल गलियारा हरियाणा के रुंधी से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर के चोला तक प्रस्तावित है। इसी मार्ग में गौतमबुद्ध नगर का भी हिस्सा आता है, जिससे हवाई अड्डे को जोड़ने की योजना बनाई गई है।

नोएडा के फेज-टू स्थित पराग डेयरी संयंत्र को अब यीडा में स्थानांतरित किया जाएगा। हवाई अड्डे के पास स्थापित होने वाले इस डेयरी संयंत्र को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। इसके लिए यीडा के सेक्टर- 32 में दस एकड़ जमीन आबंटित की गई है। यहां रोजाना चार लाख लीटर दूध आपूर्ति की क्षमता होगी। कुछ महीने पहले ही भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत एचसीएल और फोक्सकोन ने 3700 करोड़ के निवेश को लेकर करार किया है।

सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में लचर पैरवी का आरोप

दिवाली नहीं मनाएंगे 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों ने अभी तक न्याय न मिल पाने के कारण दिवाली नहीं मनाने का फैसला लिया है। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार पर हीलाहवाली का आरोप लगाया है। साथ ही 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई में याची लाभ देने की मांग की है।

पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप व प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह ने कहा कि पिछले पांच साल से अभ्यर्थियों का दीपावली का त्यौहार खराब जा रहा है। भर्ती में हुई आरक्षण में गड़बड़ी की वजह से वे नौकरी पाने से वंचित हैं और न्याय पाने के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रहे हैं। हाईकोर्ट सिंगल बेंच और डबल बेंच से जीत हासिल करने के बाद भी हम नौकरी से वंचित हैं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट में सरकार की लचर पैरवी और संवेदनहीनता के कारण सुनवाई नहीं हो पा रही है। मोर्चा के राजन जायसवाल व जगबीर सिंह चौधरी ने कहा कि 28 अक्टूबर को प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचियों के पक्ष में याची लाभ का हलफनामा दाखिल करे। ऐसा न करने पर आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थी आंदोलन तेज करने पर मजबूर होंगे। उन्होंने बताया कि अब तक सुप्रीम कोर्ट में 14 महीने में 23 से अधिक बार तारीख लग चुकी है। किंतु प्रदेश सरकार आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय देने के लिए तत्पर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि 28 अक्टूबर को सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचियों के पक्ष में हलफनामा प्रस्तुत नहीं करती है तो राजधानी में आंदोलन होगा और विधानसभा का घेराव भी करेंगे। वहीं, जनजागरण अभियान चलाकर हर जिले में घर-घर जाकर सभी को बताएंगे कि प्रदेश सरकार ने आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों के साथ किस प्रकार का सौतेला व्यवहार किया है।

सीएम योगी ने ओबीसी छात्रों के खाते में भेजे 297 करोड़

छात्रवृत्ति के चयन में पहले होता था भेदभाव : योगी

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के खाते में छात्रवृत्ति भेजी। यह पहली बार है जब वित्तीय वर्ष 2025-26 से सितंबर में ही छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में डीबीटी से करीब पांच लाख युवाओं के खातों में छात्रवृत्ति ट्रांसफर की। सरकार ने पहली बार वित्तीय वर्ष 2025-26 से सितंबर में ही छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पहले छात्रवृत्ति के लिए छात्रों के चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। वर्ष 2016-17 में तो अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति ही हड़प ली गई थी पर अब ऐसा नहीं होता है। अब प्रदेश के 62 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल रही है। जब हम सत्ता में आए तो तय किया कि छात्रों को वर्ष के अंत में नहीं बल्कि दो बार में छात्रवृत्ति दी जाए। जो कि अब संभव हो रहा है। यह बदली हुई व्यवस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है जिससे कि छात्र-छात्राओं को कहीं भी भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों से स्कूल जाने की अपील की और कहा कि पढ़ाई जरूर करें। इससे पूरा समाज बदलेगा।

पहले चरण में लगभग 62.13 करोड़ रुपए कक्षा 9 से 12 तक के 2.5 लाख ओबीसी छात्रों को दिए जा चुके हैं। दूसरे चरण में शुक्रवार को 126.68 करोड़ रुपए 4.83 लाख से अधिक छात्रों को दिए गए। इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार यूपी सरकार अब ई-गवर्नेंस से ईजी गवर्नेंस की तरफ बढ़ रही है।

अयोध्या दीपोत्सव 2025

महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से होगी निगरानी

अयोध्या, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपोत्सव 2025 इस बार न सिर्फ भव्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा, बल्कि यह तकनीकी प्रबंधन का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहली बार दीपोत्सव में महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से इतने बड़े पैमाने पर निगरानी की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 11 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरे तैनात किए जा रहे हैं, जो चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे। ये एआई कैमरे लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव रहेंगे, जिससे चारों तरफ से आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी।

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने अभूतपूर्व कदम उठाया है।

एआई कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी कर सकेंगे। अगर किसी क्षेत्र में भीड़ अधिक होती है, तो तुरंत इन कैमरों के जरिए अफसरों तक अलर्ट भेजा जाएगा। जिसके जरिए तुरंत क्राउड मैनेजमेंट कर लिया जाएगा। 11 एआई कैमरे एक्टिव मोड में रहेंगे। मेला क्षेत्र में इन कैमरों की टेस्टिंग हो गई है। पूरे आयोजन क्षेत्र को 11 एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा। दीपोत्सव के दौरान इन कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में इस बार महाकुंभ की तर्ज पर एआई क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जा रहा है। इससे न सिर्फ भीड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी की जा सकेगी। कैमरों से प्राप्त आंकड़े प्रशासन के पास लाइव अपडेट के रूप में पहुंचेंगे। यह तकनीक सुरक्षा, अनुशासन और सुविधा तीनों सुनिश्चित करेगा। अयोध्या के डीएम ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में एआई कैमरे इंस्टॉल किए जा रहे हैं।

दीपावली पर मुख्यमंत्री योगी का बड़ा उपहार

28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता बढ़ा

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की दरों में वृद्धि का उपहार दिया है। गुरुवार को लिए गए मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार अब प्रदेश के सभी पात्र 16.35 लाख कर्मचारियों एवं 11.52 लाख पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों को 01 जुलाई 2025 से 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ प्राप्त होगा।

बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से उन्हें राहत पहुंचाना और उनके जीवनस्तर में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति संवेदना और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली का यह उपहार उनके जीवन में नई ऊर्जा, प्रसन्नता और समृद्धि लेकर आएगा।

इस निर्णय का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों के कर्मचारी, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्यप्रभारित कर्मचारी तथा यूजीसी वेतनमान के कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एवं राहत का भुगतान माह अक्टूबर 2025 से नकद रूप में किया जाए। व्यापक हित मे लिए गए इस निर्णय से मार्च 2026 तक राज्य सरकार पर 1960 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। बता दें कि मंहगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का भुगतान माह अक्टूबर, 2025 से नकद किए जाने की स्थिति में माह नवंबर, 2025 में क्रमशः 161 करोड़ तथा 84 करोड़ का व्ययभार का व्ययभार आएगा।

माह जुलाई से सितंबर, 2025 तक के महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत के एरियर के भुगतान पर माह नवंबर, 2025 में क्रमशः 298 करोड़ एवं 252 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। इस प्रकार माह नवंबर, 2025 में कुल 795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। ओपीएस से आच्छादित कार्मिकों के जीपीएफ में 185 करोड़ जमा होगा, तत्पश्चात् माह दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ का अतिरिक्त व्ययभार आएगा।

अयोध्या में बना रामायण पर दुनिया का पहला मोम संग्रहालय

अयोध्या, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में रामायण पर दुनिया का पहला मोम संग्रहालय बनकर तैयार हो गया है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि के प्रांगण में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद अब यह धाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। यहां त्रेता युग की पुनर्रचना करते हुए दुनिया का पहला रामायण वैक्स म्यूजियम मोम संग्रहालय बनकर तैयार हो चुका है।

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित काशीराम कालोनी के सामने यह म्यूजियम बना है। एक सरकारी बयान के मुताबिक नौवें दीपोत्सव समारोह में इसका लोकार्पण होने की प्रबल संभावना है। 9850 वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस पूर्णतः वातानुकूलित संग्रहालय को बनाने में 6 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यहां श्री राम समेत 50 प्रमुख पात्रों की जीवंत मोम वैक्स की प्रतिमाएं प्रदर्शित होंगी जो रामायण की पूरी कथा को जीवंत कर देंगी। संग्रहालय में एक साथ 100 लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। जैसे ही दर्शक अंदर कदम रखेंगे, त्रेता युग की

महक और राम धुन की मधुर ध्वनि से भर जाएगा पूरा वातावरण। हर कोने में लगी स्पीकर से निरंतर 'राम तारक मंत्र' और भक्ति भजनों की धुन बजेगी। संग्रहालय का निर्माण दक्षिण भारतीय वास्तु शैली में किया गया है, जो दक्षिण भारत की पारंपरिक स्थापत्य कला का सुंदर संगम दर्शाता है।

दो मंजिला भवन में भूतल पर रामलला के बाल रूप से लेकर सीता स्वयंवर तक की घटनाएं चित्रित हैं, जबकि पहली मंजिल पर वनवास, लंका दहन और राम-रावण युद्ध की भव्य झलक मिलेगी। हर वैक्स मॉडल की अलग-अलग लाइटिंग की गई है जो पात्रों को जीवंत बना देती है। प्रवेश द्वार पर सबसे पहले भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा के दर्शन होंगे। इसके बाद रामलला के बाल रूप की वैक्स मूर्ति के साथ सेल्फी लेने की विशेष व्यवस्था है। दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी श्रीराम वन गमन पथ और भगवान कृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पहले ही धन आवंटित कर दिया गया है। सीएम यादव ने कहा कि चित्रकूट और ओरछा में लगभग 2,200 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभी तक प्रदेश के 11 जिलों के 25 स्थलों को 'राम वन गमन पथ' से जोड़ा गया है। ये वे स्थान हैं जहां वनवास के समय भगवान श्रीराम गए थे। इनमें सतना में चित्रकूट सहित कई स्थल पहले से श्रीराम के प्रवास के लिए जाने जाते हैं। कुछ ऐसी जगहें भी हैं जहां माना जाता है भगवान राम आए थे या रुके थे पर वे प्रसिद्ध नहीं हैं यानी कम ज्ञात हैं। सीएम यादव ने कहा, "श्री राम वन गमन पथ और भगवान कृष्ण से जुड़े जगहों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार ने फंड को मंजूरी दे दी है।

फिट इंडिया 31 अक्टूबर से शुरू करेगा देशव्यापी कश्मीर से कन्याकुमारी और पैडल टू प्लांट साइकिलिंग अभियान

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का प्रमुख मिशन फिट इंडिया सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्टूबर से देशव्यापी दो बड़े साइकिलिंग अभियानों का आयोजन करने जा रहा है। इन अभियानों का नाम आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी रखा गया है, जो देश की एकता, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4480 किमी की साइकिलिंग – 'कश्मीर टू कन्याकुमारी' साइकिलिंग अभियान 31 अक्टूबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से शुरू होगा। यह यात्रा पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक होते हुए 16 नवंबर को कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में समाप्त होगी। इस ऐतिहासिक यात्रा में 150 साइकिल सवार हिस्सा लेंगे, जो सरदार पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित एक अनूठा सम्मान होगा। इस अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध पर्वतारोही निशा कुमारी करेंगी, जिन्होंने 17 मई, 2023 को माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल की थी और भारत से लंदन तक साइकिल यात्रा कर 'चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज' का संदेश दिया था।

'पैडल टू प्लांट' से हरित संदेश – दूसरा अभियान पैडल टू प्लांट 4000 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ से शुरू होकर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से गुजरते हुए गुजरात के मुंद्रा में 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी। यात्रा के दौरान साइकिल सवार 1 लाख पौधे लगाएंगे और विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में जलवायु परिवर्तन और फिटनेस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, मैं सभी साइकिल चालकों को शुभकामनाएं देता हूं जो फिट इंडिया आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यह अभियान हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत के नागरिक फिट और स्वस्थ रहें। यह पहल उस दृष्टिकोण को और सशक्त बनाएगी। साइकिलिंग न केवल फिटनेस के लिए लाभदायक है बल्कि प्रदूषण कम करने का भी एक प्रभावी उपाय है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि वे रोजाना 30 मिनट से 1 घंटा साइकिलिंग को दें।

न्यूज़ ब्रीफ

नाओमी ओसाका ने चोट के कारण जापान ओपन क्वार्टर फाइनल से नाम वापस लिया

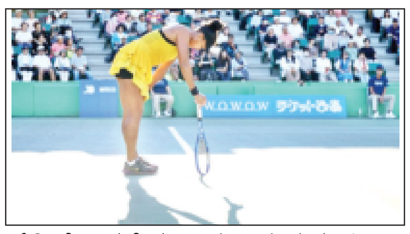

नई दिल्ली। नाओमी ओसाका ने बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच से अपना नाम वापस ले लिया है। डब्ल्यूटीए टूर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मैच से पहले ओसाका के हटने के परिणामस्वरूप जैकलीन क्रिस्टियन वॉकओवर के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच गईं हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त ओसाका दूसरे दौर के मैच के अंत में लगी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं। क्रिस्टियन का इस साल का यह तीसरा सेमीफाइनल होगा और क्ले कोर्ट के अलावा किसी अन्य सतह पर उनका यह पहला सेमीफाइनल होगा। चोट लगने से पहले ओसाका ने वाकाना सोनोबे और 2024 चैंपियन सुजान लामेंस पर जीत हासिल की थी। लामेंस के साथ पहले दो सेट बराबर करने के बाद ओसाका ने तीसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लामेंस के 0-5 और 30-15 के स्कोर पर सर्विस करते समय ओसाका के बाएं पैर में चोट लग गई। लामेंस का बैकहैंड वाइड चला गया, लेकिन अगले पॉइंट के बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट का अनुरोध किया, जिसके बाद ओसाका ने पॉइंट जीत लिया। चार बार की प्रमुख विजेता ओसाका अपनी बाईं जांघ में चोट और गतिशीलता में कमी के साथ कोर्ट पर लौटीं, लेकिन अपने तीसरे मैच पॉइंट पर मैच जीतने में सफल रहीं।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम घोषित, बावुमा की दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में होगी वापसी

नई दिल्ली। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को भारत दौरे के लिए अपनी 'ए' टीम की घोषणा कर दी। दौरे की शुरुआत 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में दो चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैचों से होगी। दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। दोनों मुकाबले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में तीन मैचों की वनडे सीरीज़ खेलेंगी। यह दौरा साउथ अफ्रीका की सीनियर टीम के भारत दौरे से पहले का अभ्यास दौरा होगा। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और डब्ल्यूटीसी विजेता कप्तान टेम्बा बावुमा चोट से उबरकर दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी करेंगे। वहीं, भारत 'ए' टीम की घोषणा अभी नहीं की गई है। दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम का पूरा स्क्वॉड अनऑफिशियल टेस्ट के लिए स्क्वॉड: मार्क्वेस एकरमैन, टेम्बा बावुमा*, ओकुहले सेले, जुबायर हम्जा, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ। वनडे सीरीज़ के लिए स्क्वॉड: मार्क्वेस एकरमैन, ओटनाइल बार्टमैन, ब्योर्न फॉरच्यून, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, क्वेना माफाका, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा क्वेशिले, जेसन स्मिथ, कोडी यूसुफ।

चोपड़ा की पहले एकदिवसीय के लिए पसंदीदा भारतीय टीम में कुलदीप को नहीं मिली जगह, हर्षित, अक्षर और सुंदर शामिल

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले

एकदिवसीय क्रिकेट के लिए अपनी पंसदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। दोनो टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। चोपड़ा ने अपनी अंतिम ग्यारह में कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की जगह पर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया है। चोपड़ा की इस टीम में पारी की शुरुआत कप्तान शुभमन गिल के साथ रोहित शर्मा करेंगे। विराट पहले की तरह ही नंबर तीन पर उतरेंगे। वहीं उपकप्तान श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पांचवें नंबर पर उतरेंगे। आकाश ने इस टीम में ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार को रखा है क्योंकि हार्दिक पांड्या फिट नहीं होने के कारण सीरीज से बाहर हैं। आकाश ने बल्लेबाजी को बेहतर करने के लिए कुलदीप की जगह पर अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को स्पिन ऑलराउडर के तौर पर रखा है। इसके अलावा तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को शामिल किया है।

ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं का अजेय गर्जन : हीली के विस्फोटक शतक से सेमीफायनल में पहुँची टीम

रिकॉर्ड-तोड़ 202 रनों की अटूट साझेदारी; स्पिन जाल में फंसे विरोधी, बांग्लादेश पर 10 विकेट से ऐतिहासिक फतेह

विशाखापत्तनम,17 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आईसीसी महिला विश्व कप में डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का वर्चस्व निर्बाध रूप से जारी है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को धूल चटाते हुए 10 विकेट से ऐतिहासिक विजय प्राप्त की और इस जीत के साथ ही वे टूर्नामेंट के अंतिम चार (सेमीफाइनल) में प्रवेश करने वाले पहले दल बन गए हैं। कप्तान अलिसा हीली ने अपनी लय बरकरार रखते हुए लगातार दूसरा विस्फोटक शतक (113* रन) जड़ा। युवा फीबी लिचफील्ड (84* रन) ने उनका रणनीतिक साथ दिया। इन दोनों ने मिलकर 202 रनों की अटूट और रिकॉर्ड-तोड़ सलामी साझेदारी की, जिसने 199 रनों के लक्ष्य को पलक झपकते ही केवल 25 ओवरों में तहस-नहस कर दिया।

गेंदबाजों का अचूक जाल

इससे पूर्व, ऑस्ट्रेलियाई स्पिन तिकड़ी ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह से जकड़ लिया। अलाना किंग ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से कमाल किया। उन्होंने 10 ओवरों में मात्र 18 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसके कारण उन्हें मुकाबले की श्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाज़ा गया। जॉर्जिया वेयरहैम ने भी 22 रन देकर 2 विकेट लेकर दबाव बनाए रखा। हालांकि शोभना मोस्टरी ने 66 रनों की एक लम्बी जुझारू पारी खेली, पर हीली और लिचफील्ड के आक्रामक अंदाज़ ने बांग्लादेश के स्कोर को निस्तेज कर दिया।

रोहित तोड़ सकते हैं अफरीदी के छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर में पर्थ में शुरु हो रही तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में रोहित को अफरीदी के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल आठ छक्कों की जरूरत है। रोहित ने अभी तक 273 एकदिवसीय मैचों में 344 छक्के लगाये हैं। वहीं अफरीदी के नाम 398 एकदिवसीय मैचों में 351 छक्के हैं। रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर है। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 331 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 205 छक्के हैं। वहीं टेस्ट में वह 88 छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 637 छक्के का रिकार्ड है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित के नाम सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। रोहित ऑस्ट्रेलिया में 8 छक्के लगाते ही सबसे तेज 350 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अफरीदी को यहां तक पहुंचने के लिए 398 मैच खेलने पड़े थे। वहीं रोहित ने अभी तक 273 मैच ही खेले हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय 23 को एडिलेड में जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टीम

हांगकांग,17 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका हांगकांग सिक्सेस की पांच बार की चैंपियन टीम है। उसने 1995, 2006, 2009, 2012 और 2017 में खिताब जीता था। घोषित टीम की कमान वॉरियर्स के ऑलराउंडर जॉर्डन मॉरिस संभालेंगे। साउथ अफ्रीका अंडर-19 और टाइटंस के युवा बल्लेबाज जोरिक वैन स्कालक्विक को भी टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय इस ओपनर ने जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। टीम के बल्लेबाजी विभाग को मजबूती देने के लिए बोलैंड के ईथन कनिंघम और वेस्टर्न प्रोविंस के कशिफ जोसेफ को जगह दी गई है। ऑलराउंडर के रूप में वेस्टर्न प्रोविंस के अब्दुल्ला बायोमी और डॉल्फिन्स के ब्लेक सिम्पसन को शामिल किया गया है। गेंदबाजी की कमान वेस्टर्न प्रोविंस के तेज गेंदबाज म्बुलेलो ड्यूबे संभालेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप ए में अफगानिस्तान और नेपाल के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 7 नवंबर को अफगानिस्तान से खेलेगी, जबकि 8 नवंबर को उसका सामना नेपाल से होगा। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम: जॉर्डन मॉरिस (कप्तान), अब्दुल्ला बायोमी, ईथन कनिंघम, जोरिक वैन स्कालक्विक, म्बुलेलो ड्यूबे, कशिफ जोसेफ, ब्लेक सिम्पसन।

क्रोएशिया में ईएचएफ चैम्पियंस लीग

क्रोएशिया में ईएचएफ चैम्पियंस लीग में खेलती हुई एचसीजगरेब की एडरिन फालजेसिक व अन्य खिलाड़ी।

गेविन लार्सन दोबारा बने न्यूजीलैंड के चयन प्रबंधक

वेलिंगटन,17 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज गेविन लार्सन एक बार फिर टीम के चयन प्रबंधक के रूप में लौट आए हैं। उन्होंने सैम वेल्स की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। लार्सन इससे पहले 2015 से 2023 तक इसी भूमिका में रह चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के क्लब वॉरविकशायर में परफॉर्मेंस डायरेक्टर के रूप में काम किया था।

61 वर्षीय लार्सन हाल ही में बास्केटबॉल टीम नेल्सन जायंट्स से जुड़े हुए थे। अब वे न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर के साथ मिलकर न्यूजीलैंड, न्यूजीलैंड ए और न्यूजीलैंड ड्ड्ढ के सभी दौरों के लिए टीम चयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अपनी नियुक्ति पर लार्सन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ब्लैककैप्स और राष्ट्रीय हाई परफॉर्मेंस माहौल में दोबारा वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट को लेकर बेहद जुनूनी हूं और एक बार फिर सर्वोच्च स्तर पर योगदान देने का मौका मिलना बेहद रोमांचक है। मैं इस गर्मी से काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं और टीम की सफलता में अपना योगदान देना चाहता हूं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य हाई परफॉर्मेंस अधिकारी डैरिल गिब्सन ने कहा कि लार्सन का अनुभव और आधुनिक खेल की समझ उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

उन्होंने कहा, गेविन की इस भूमिका को लेकर परिचितता और जिम्मेदारियों की गहरी समझ ने उनके चयन में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, उनके जुनून, ऊर्जा और दोबारा योगदान देने की इच्छा ने हमें प्रभावित किया।

गौरतलब है कि चयन मॉडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीम चयन पर अंतिम निर्णय मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का ही रहेगा, जबकि लार्सन उनके साथ मिलकर काम करेंगे। लार्सन 3 नवंबर से आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभालेंगे।

भारत-पाकिस्तान विश्व कप मुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, बना महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को खेले गए महिला वनडे विश्व कप मुकाबले ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इस मैच ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 28.4 मिलियन की पहुंच और 1.87 अरब मिनट के व्यूइंग टाइम के साथ महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच बन गया है।

आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि यह मुकाबला दर्शक संख्या के लिहाज़ से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच रहा। वहीं, लीग चरण के पहले हिस्से में भी दर्शकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि देखने को मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच टीवी पर भी विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला लीग मैच बन गया है। टूर्नामेंट के पहले 11 मैचों ने कुल 72 मिलियन दर्शकों तक पहुंच बनाई, जो पिछली बार की तुलना में 166प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही, व्यूइंग मिनट्स में 327प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह आंकड़ा 6.3 अरब मिनट तक पहुंच गया। स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति भी उत्साहजनक रही है। भारत में भारतीय टीम के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। हालांकि, अन्य टीमों के मुकाबलों में दर्शक संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कोलंबो में जब भारत या श्रीलंका नहीं खेल रहे होते हैं तो दर्शक संख्या हजारों में रही है। मौसम ने भी उपस्थिति को प्रभावित किया है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार के संयुक्त आंकड़ों के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों तक 60 मिलियन से अधिक दर्शक पहुंचे, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना अधिक है। वहीं कुल वॉच टाइम 7 अरब मिनट तक पहुंच गया, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। 12 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में 4.8 मिलियन पीक समकालिक दर्शक दर्ज किए गए, जो महिला क्रिकेट के इतिहास में एक और नया रिकॉर्ड है।

रिकॉर्ड एक नज़र में

भारत-पाकिस्तान मैच की पहुंच: 28.4 मिलियन

व्यूइंग टाइम: 1.87 अरब मिनट

कुल पहुंच (पहले 11 मैच): 72 मिलियन

व्यूइंग टाइम (कुल): 6.3 अरब मिनट

ऑस्ट्रेलिया मैच पर पीक व्यूअरशिप: 4.8 मिलियन ,यह उपलब्धि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों में बढ़ते रोमांच को दर्शाती है।

100के एच–1बी वीजा फीस 'गैरकानूनी'

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से नए एच-2बी वीजा आवेदकों पर 100,000 डॉलर (करीब 83 लाख रुपए) की फीस लगाने के फैसले के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। चैंबर ने इस कदम को अनुचित और कानूनी बताया है।

अमेरिकी कंपनियों ने ट्रंप प्रसासन के खिलाफ किया केस

एक रिपोर्ट के अनुसार चैंबर ने वाशिंगटन की एक संघीय अदालत में मामला दर्ज किया, जिसमें अदालत से इस आदेश को रोकने और यह घोषित करने की मांग की गई कि ट्रंप ने अपने कार्यकारी अधिकारों का अतिक्रमण किया है। यह शुल्क एक महीने पहले घोषित किया गया था और व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी वर्कर्स के स्थान पर सस्ते विदेशी टैलेंट को भर्ती करने वाली कंपनियों के खिलाफ कदम बताया था। बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा, मौजूदा वीजाधारकों पर नहीं, और छूट के लिए आवेदन फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है। ह मुकदमा ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चैंबर की पहली कानूनी कार्रवाई है। 30,000 से ज्यादा बिजनेस का प्रतिनिधित्व करने वाला चैंबर कहता है कि यह शुल्क अमेरिकी इमीग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करता है, जिनमें वीजा फीस को केवल वास्तविक प्रोसेसिंग लागत के आधार पर तय करने का प्रावधान है। मुकदमे में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और विदेश मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति के पास अमेरिका में गैर–नागरिकों के प्रवेश को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार है, लेकिन वह अधिकार कानूनों से सीमित है और कांग्रेस द्वारा पारित कानूनों का विरोध नहीं कर सकता। पहले एच–1बी वीजा आवेदन की लागत लगभग 3,600 डॉलर तक थी। चैंबर का कहना है कि इतनी भारी फीस से कंपनियों को स्किल्ड वर्कर्स की भर्ती खासकर टेक और कंसल्टिंग क्षेत्रों में घटानी पड़ सकती है या वेतन लागत असहनीय हो सकती है। हालांकि आलोचकों का कहना है कि एच–1बी और अन्य स्किल्ड वर्कर वीजा प्रोग्राम अमेरिकी कर्मचारियों को सस्ते श्रम से रिप्लेस करते हैं, लेकिन व्यापार समूहों का तर्क है कि ये वीजा विशेष रूप से इंजीनियरिंग, आईटी और हेल्थ साइंसेज जैसे क्षेत्रों में श्रम की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब ऑनलाइन सामान भी बेचेगा चेटजीपीटी, चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और वालमार्ट के बीच हुआ सौदा

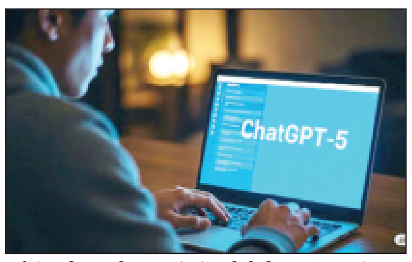

नई दिल्ली। अभी तक तो चैटजीपीटी आपके सारे काम कर ही देता था। अब इस प्लेटफॉर्म पर एक और सुविधा मिलने वाली है। यह सुविधा ऑनलाइन शॉपिंग की है। दरअसल, चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और फ्लिपकार्ट को चलाने वाली वालमार्ट के बीच डील हुई है। वॉलमार्ट, अपने संचालन को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश करते हुए, एजेंटिक एआई की दुनिया में कदम रख रहा है। ओपनएआई के साथ साझेदारी के जरिए, यह रिटेलर चेटजीपीटी का इस्तेमाल करके खरीदारों को स्टोर में खरीदारी करने में सक्षम बना रहा है। चैटजीपीटी के नए इंस्टेंट चेकआउट फीचर का इस्तेमाल करके, एआई–संचालित बॉट के साथ बातचीत करने वाले खरीदार वॉलमार्ट के उत्पादों को ब्राउज कर सकेंगे और ऐप के अंदर ही खरीदारी पूरी कर सकेंगे। वॉलमार्ट के सीईओ का कहकि है ?कि कई वर्षों से ई–कॉमर्स खरीदारी का अनुभव केवल एक सर्च बार और आइटम प्रतिक्रियाओं की एक लंबी सूची तक सीमित रहा है। अब यह बदलने वाला है। हम स्पार्की और ओपनएआई के साथ इस महत्वपूर्ण कदम सहित साझेदारियों के माध्यम से उस अधिक सुखद और सुविधाजनक भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

एआई की जंगः मेटा ने छीना एप्पल का टॉप अधिकारी

नई दिल्ली। टेक इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर प्रतिस्पर्धा चरम पर है। अब यह जंग सिर्फ प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि टैलेंट को अपने पाले में करने की हो गई है। इसी क्रम में मेटा ने एक बार फिर एप्पल को करारा झटका दिया है। एप्पल के वरिष्ठ एआई अधिकारी के यांग ने इस्तीफा देकर मेटा की टीम जॉइन कर ली है। यांग को हाल ही में एप्पल की नई एआई टीम आंसर नालेज एंड इंफारमेंशन (एकेआई) का प्रमुख नियुक्त किया गया था। यह वही टीम है जो वॉयस असिस्टेंट सिरी को चेटजीपीटी जैसे स्मार्ट असिस्टेंट में बदलने पर काम कर रही है। के यांग का अचानक जाना एप्पल के एआई प्रोजेक्ट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एकेआई टीम का मकसद सिरी को इतना सक्षम बनाना था कि वह वेब से ताज़ा जानकारी लेकर इंसानों जैसी बातचीत कर सके। यांग के इस्तीफे के बाद मेटा ने अपनी सुपरइंटेलिजेंस टीम को किया और मजबूत सूत्रों के मुताबिक यांग अकेले नहीं हैं। पिछले कुछ महीनों में एप्पल के एआई डिवीजन से दर्जनों सीनियर एक्सपर्ट्स इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें रुओमिंग पेंग, जो के फाउंडेशन मॉडल टीम के संस्थापक थे, भी शामिल हैं।

वारी एनर्जीज का मुनाफा दोगुना से भी ज्यादा, शेयरधारकों को मिलेगा पहला डिविडेंड

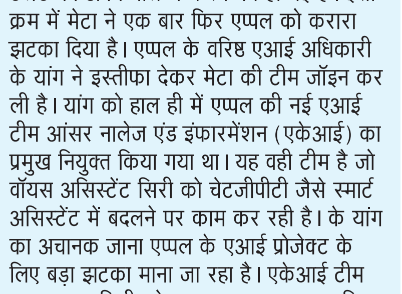

मुंबई। सोलर इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज ने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जो बेहद प्रभावित करने वाले हैं। इस तिमाही में कंपनी ने 843 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 362 करोड़ रुपये से 133 प्रतिशत अधिक है। कुल कमाई भी 6,066 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 69.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। कंपनी का ऑपरेटिंग इनकम (एबिटिडा)भी दोगुना से अधिक बढ़कर 1,406 करोड़ रुपये हो गया है। एबिटिडा मार्जिन 14.7 फीसदी से बढ़कर 23.2 फीसदी हो गया, जो कंपनी की बेहतर प्रबंधन क्षमता और मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वारी एनर्जीज ने अपने लिस्टिंग के बाद पहली बार शेयरधारकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने हर 10 रुपये के शेयर पर 2 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा उपहार माना जा रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत है और उत्पादन क्षमता भारत में 16.1 गीगावाट तथा अमेरिका में 2.6 गीगावाट हो गई है।

टाटा सियेरा एसयूवी के इंटीरियर की पहली झलक आई सामने

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

साल के अंत तक स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने पोर्टफोलियो में नई टाटा सियेरा एसयूवी को शामिल करने जा रही है। इस एसयूवी के इंटीरियर की पहली झलक अब सामने आई है। टेस्टिंग के दौरान ली गई स्पाई तस्वीरों में इसका केबिन और डैशबोर्ड डिजाइन पूरी तरह से दिखाई दिया है। नए अवतार में टाटा सियेरा का इंटीरियर पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और हाई-टेक नजर आता है। सबसे बड़ी खासियत इसका ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप है, जो किसी भी टाटा कार में पहली बार देखने को मिलेगा। इसमें एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सेंट्रल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और को-पैसेंजर डिस्प्ले शामिल हैं। ये तीनों डिस्प्ले एक सिंगल ग्लास पैनल में इंटीग्रेटेड हैं, जिससे केबिन को एक फ्यूचरिस्टिक और लक्जरी लुक मिलता है। इसके अलावा, एसयूवी में टच-बेस्ड एचवीएसी कंट्रोल्स, टाटा लोगो वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, और सॉफ्ट-टच मटीरियल के साथ मेटैलिक फिनिश वाला गियर लीवर एरिया दिया गया है।

बाहरी डिजाइन की बात करें तो नई सिएरा में पुरानी क्लासिक सिएरा के बॉक्सी सिल्हूट और बड़े ग्लास एरिया को आधुनिक स्टाइल में पेश किया गया है। इसे 2025 भारत मोबिलिटी एक्सपो में दिखाया गया था, जहां इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। इंजन विकल्पों में कंपनी 1.5–लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन, या 2.0–लीटर मल्टीजेट डीजल इंजन दे सकती है। साथ ही इसका इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी दो बैटरी पैक और क्वाड व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आ सकता है।

पॉपुलर मॉडल मिनी कन्वर्टिबल जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मिनी इंडिया एक बार फिर अपने पॉपुलर मॉडल मिनी कन्वर्टिबल को लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी के मुताबिक, इसकी कीमत करीब रुपए 50 लाख के आसपास रखी जा सकती है। नए अवतार में आने वाली मिनी कन्वर्टिबल में इलेक्ट्रिक कैनवास रूफ दी गई है, जो केवल 18 सेकंड में खुल या बंद हो जाती है वह भी 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर। यह फीचर ड्राइवर को खुली हवा में ड्राइविंग का मजा तुरंत लेने की सुविधा देता है। परफॉर्मेंस की बात करें तो यह कार कूपर एस ट्रिम में उपलब्ध होगी, जिसमें 2.0–लीटर चार–सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 204 एचपी पावर और 300 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही इसमें 7–स्पीड ड्यूल–क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। कंपनी के अनुसार, यह कार 0 से 100 किमी/घंटा की स्पीड सिर्फ 6.9 सेकंड में पकड़ लेती है। डिजाइन के मामले में मिनी कन्वर्टिबल अपने क्लासिक लुक को बरकरार रखेगी। इसमें क्लैमशेल बोनट, गोलाकार हेडलैंप्स, और आइकॉनिक ग्रिल का नया वर्जन देखने को मिलेगा। इंटीरियर में बड़ा बदलाव किया गया है अब इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को बीच में शिफ्ट किया गया है और सारी जानकारी एक 9.4–इंच की ओलेड टचस्क्रीन पर दिखेगी, जो कार के केबिन को एक मॉडर्न और प्रीमियम लुक देती है। बता दें कि कुछ समय के अंतराल के बाद यह स्टाइलिश कार एक बार फिर वापसी कर रही है, और इसकी लॉन्चिंग इसी फेस्टिव सीजन में होने की उम्मीद है।

जीएसटी सुधार से नगालैंड के हैंडलूम, कॉफी और पर्यटन उद्योग को मिलेगा लाभ

कोहिमा,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार द्वारा घोषित नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से नगालैंड की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। हैंडलूम, बांस–बेंत उत्पाद, कॉफी और पर्यटन क्षेत्र पर कर दरों में कमी से न केवल उत्पाद सस्ते होंगे, बल्कि हजारों लोगों की आय और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

सरकार ने इन क्षेत्रों पर जीएसटी दरें 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी हैं। इससे लगभग 44,000 महिला बुनकरों, 13,000 बांस एवं बेंत कारीगरों, 2,200 कॉफी उत्पादकों और सैकड़ों होटल कारोबारियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। नगालैंड के पारंपरिक हैंडलूम उत्पादों में चकहेसांग शॉल को जीआई टैग प्राप्त है, जो कोहिमा, फेक और दीमापुर क्षेत्रों में प्रमुखता से बनाया जाता है। इस क्षेत्र में लगभग 44,000 लोग कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। अब जीएसटी घटने से 2,500 रुपये तक के वस्त्र लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। इससे नगालैंड के हैंडलूम उत्पादों की देश और विदेश में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इन वस्त्रों का निर्यात अमेरिका, यूरोप, यूएई, स्वीडन और कनाडा जैसे देशों में होता है।

पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा

नगालैंड का पर्यटन उद्योग कोहिमा, दीमापुर और किसामा जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है, जहां प्रसिद्ध हॉर्नबिल फेस्टिवल हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। अब होटल सेवाओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से 7,500 रुपये तक के कमरे लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते होंगे। इससे राज्य में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

बांस और बेंत उद्योग में बढ़ेगा व्यापार

नगालैंड का बांस एवं बेंत उद्योग सोवीमा (चुमौकेदिमा) और दीमापुर में केंद्रित है, जहां लगभग 13,000 लोग कार्यरत हैं। नगालैंड बांस विकास एजेंसी (एनबीडीए) इस क्षेत्र को 2004 से प्रोत्साहित कर रही है। अब फर्नीचर और हैंडीक्राफ्ट पर जीएसटी घटने से इन उत्पादों की कीमतों में लगभग 6 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे बाजार में मांग बढ़ेगी और कारीगरों की आमदनी में इजाफा होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस गरीबी हटाओ ...

दो दिन पहले ही मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट के आंकड़े आए हैं। पिछले साल के मुकाबले भारत का एक्सपोर्ट 7 पर्सेंट और बढ़ गया है। पिछले साल भारत ने साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये का एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट करके दिया है। कितने ही देशों के अस्थिर रेटों के बीच एस एंड पी ने 17 साल बाद भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया है।

पीएम मोदी ने कहा, 2014 से पहले ममहंगाई डायन खाय जात हैफ, यह गीत छाए हुए थे। तब देश के लोगों और दुनिया को भी लगता था कि इतने संकटों में फंसा भारत बाहर निकल ही नहीं पाएगा। लेकिन 11 साल में भारत ने हर आशंका को ध्वस्त किया है, हर चुनौती को पस्त किया है। भारत आज फ्रैजाइल फाइव से बाहर निकलकर टॉप 5 में से एक बन गया है। भारत ने हर आशंका और चुनौती को पस्त किया है। भारत में इन्फ्लेशन 2 पर्सेंट से नीचे है और ग्रोथ रेट 7 पर्सेंट से ज्यादा है। आज चिप से लेकर शिप तक, चारों तरफ आत्मनिर्भर भारत, आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। हम न रुकेंगे और न थमेंगे। हम 140 करोड़ देशवासी मिलकर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

अब भारत से कोई ...

एचएएल यहाँ राष्ट्र की रक्षा शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, आज जब मैंने एसयू–30, एमके1ए और एचटीटी –40 की उड़ानें देखीं, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह आत्मनिर्भरता का एक सच्चा उदाहरण है।

मोदी ने श्रीलंका...

क्षेत्र में स्थायी शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विदेश मंत्री अब्देलाती ने अपनी यात्रा के दौरान आयोजित पहली भारत–मिस्र रणनीतिक वार्ता की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा और जन–से–जन संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

हर्ष सांघवी बने...

चार मंत्री जिन्होंने अपने विभाग बरकरार रखे हैं – ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी (राज्य मंत्री) – ने दोबारा शपथ नहीं ली क्योंकि उनके पद अपरिवर्तित हैं।

त्रिकम छंगा, स्वरूपजी ठाकोर, प्रवीण माली, ऋषिकेश पटेल, पीसी बरंडा, दर्शन वाघेला, कांतिलाल अमृतिया, अर्जुनभाई मोढवाडिया, डॉ. प्रद्युम्न वाजा, कौशिक वेकारिया, जितेंद्रभाई वाघानी, रमनभाई सोलंकी, कमलेशभाई पटेल, संजय सिंह महिदा, रमेशभाई कटारा, प्रफुल्ल पंसेरिया, मनीषा वकील, ईश्वरसिंह पटेल, डॉ. जयरामभाई गामित, नरेशभाई पटेल, वे नए नेता हैं जिन्हें आज मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

गुजरात में आज हुए मंत्रिमंडल फेरबदल ने सितंबर 2021 के बाद से राज्य में सबसे बड़ा फेरबदल किया, जब पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उनके पूरे मंत्रिमंडल ने कथित तौर पर भाजपा आलाकमान के निर्देशों के बाद इस्तीफा दे दिया था।

भूपेंद्र पटेल द्वारा राज्यपाल देवव्रत को गुजरात मंत्रिमंडल की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। गुरुवार को मुख्यमंत्री को छोड़कर सभी 16 मंत्रियों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

गुजरात, जिसकी विधानसभा 182 सदस्यीय है, में अधिकतम 27 मंत्री हो सकते हैं (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत)।

सुप्रीम कोर्ट ने देश...

बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है। 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी या पुलिस का अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्हें धमकाते हैं और गलत तरह से धन वसूली की कोशिश करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है। इस तरह की कार्रवाई संस्था की गरिमा पर सीधा हमला है।पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ये खबरें आई हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है।

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में अब तक की गई जांच पर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। यह मामला शिकायतकर्ता महिला द्वारा अदालत के संज्ञान में लाया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि घोटालेबाजों ने 3 से 16 सितंबर के बीच दंपति की गिरफ्तारी और निगरानी की बात करने वाला स्टाम्प और मुहर लगा एक जाली अदालती आदेश पेश किया और कई बैंक लेनदेन के माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की।

महिला ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने की धमकी देते हुए फर्जी तरीके से सीबीआई और ईडी अधिकारी बनकर कुछ लोगों ने कई ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिए अदालती आदेश दिखाए। शीर्ष अदालत को बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों के तहत अंबाला स्थित साइबर अपराध विभाग में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

15 साल के...

शाह ने राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लालू–राबड़ी के 15 साल के मजंगल राजफ ने बिहार को लगभग आधी सदी पीछे धकेल दिया। उन्होंने आगे कहा कि इसी दौरान बिहार ने अपनी गरिमा, वैभव और उत्कृष्टता खो दी।

शाह ने तेजस्वी यादव पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वही जंगल राज आज बिहार की जनता के सामने है, नए चेहरों के साथ और वोट मांगते हुए। बिहार के पटना में बुद्धिजीवियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा, वह कौन सा युग था, जिसमें बिहार एक बीमारू राज्य बन गया। सिर्फ़ 15 साल के जंगल राज में ही बिहार ने अपना गौरव, धन और ज्ञान खो दिया। जंगल राज के 15 साल के दौर में बिहार ने अपनी गरिमा, वैभव और हर तरह की उत्कृष्टता खो दी। कल्पना कीजिए कि वे 15 साल कैसे रहे होंगे... वह दौर जिसमें बिहार की प्रतिष्ठा गिर गई... उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज़ादी के बाद बिहार में स्थापित उद्योग लालू यादव के जंगल राज के कारण राज्य से चले गए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब वे (लालू यादव) भ्रष्टाचार के मामले में जेल से बाहर आए और हाथी पर जुलूस निकाला गया, तो हमें इस तरह की बेशर्मी समझ नहीं आई... आज़ादी के समय बिहार में जो उद्योग स्थापित हुए थे, वे धीरे–धीरे बिहार छोड़ने लगे... उस 15 साल के शासन ने बिहार को लगभग आधी सदी पीछे धकेल दिया। वही मजंगल राजफ आज नए चेहरों के साथ बिहार की जनता के सामने है। इस बार बिहार में सिर्फ़ दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने के बीच, शाह ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, मैं लालू और राहुल कंपनी से पूछना चाहता हूँ कि पहले बिहार में 6 चरणों में चुनाव होते थे, जबकि अब सिर्फ़ 2 चरणों में चुनाव हो रहे हैं। 6 चरणों में करना पड़ा क्योंकि सुरक्षा के इतने इंतज़ाम नहीं हो पा रहे थे, और अब 2 चरणों में हो रहा है क्योंकि बिहार सुरक्षित हो गया है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

HOUSE FOR SALE
157 Square Yard, G+2 HOUSE FOR SALE at Begumbazer, Nagarkhana, Door no. 14-6-386, near Hanuman Temple. Contact : 95737 79303, 88012 27923

CHANGE OF NAME & DOB
I, Smt. T ARCHANA REDDY spouse of No. JC 276544 M Rank Ex Sub (Hony Lt) T RAJENDER REDDY, R/o. 2-4-26, Dathithreya Nagar, Chengicherla, Medchal-Malkajgiri Dist-500092, Telangana, have changed my Name & DOB from T ARCHANA REDDY (31.05.1978) to ARCHANA THUMMALA (19.11.1978) vide Affidavit dt 17.10.2025 before C Samuel, Public Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, CHANCHAL DEVI is Mother of No JC-776781Y, Rank- SUB, Name- MUKESH KUMAR, R/o Vill & Po- Barhiya, Teh- Barhiya, Dist- Lakhishari, Bihar, I have to change my Name from CHANCHALA DEVI to CHANCHAL DEVI for all purpose vide affidavit dated: 15/10/2025.

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

राजस्थानी प्रगति समाज का दीपावली सम्मेलन 26 को

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली सम्मेलन का आयोजन आगामी रविवार, 26 अक्टूबर को होटल ताजमहल, आबिड्स में किया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग द्वारा दी गयी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राजस्थानी प्रगति समाज के महामन्त्री गोविन्द नारायण राठी ने बताया कि सभी राजस्थानी समाज बन्धुओं से 26 अक्टूबर को रात्रि 7:00 बजे से आयोजित 'दीपावली सम्मेलन' में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपोत्सव सभी के लिए मंगलमय हो। उन्होंने कहा कि प्रगति समाज द्वारा पिछले कई वर्षों से लगातार दीपावली सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। दीपावली सम्मेलन के आयोजन के पीछे उद्देश्य समग्र राजस्थानी समाज को एक मंच पर लाकर एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ प्रेषित करने का अवसर प्रदान करना है।

उन्होंने सभी से अपने व्यस्ततम समय में से समय निकालकर दीपावली सम्मेलन में सम्मिलित होकर दीपावली स्नेह मिलन का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

बैठक में अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल, महामन्त्री गोविन्द नारायण राठी एवं कार्यक्रम संयोजक रमेश कुमार बंग ने दीपावली सम्मेलन के निमंत्रण पत्र का विमोचन किया।

राजस्थान के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी के नगर आगमन पर होटल गोलकुंडा में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विकास शर्मा, आनंद कुमार, सुरेन्द्र सैनी, के. के. बना, आलोक शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान अतिथियों ने डॉ. जोशी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके अनुभव और सार्वजनिक जीवन के योगदान की सराहना की।

आंप्र सीएम नारा चंद्रबाबु नायडु ने हिंदी में भाषण देकर बढ़ाया देश की अधिकार भाषा का गौरव

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायडु द्वारा हिंदी में भाषण देकर देश की अधिकार भाषा हिंदी का महत्व बढ़ाने पर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री तथा हिंदी सेवासदन के संस्थापक सचिव एस. गैबुवली ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ व धन्यवाद दिया।आंध्र प्रदेश राज्य के कर्नूल शहर में भव्य रूप से आयोजित 'सुपर जीएसटी - सुपर सेविंग्स' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अतिथि के रूप में राज्यपाल अब्दुल नज़ीर, उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण, एच.आर.डी., आई.टी., इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन्स, आर.टी.जी. मंत्री नारा लोकेश, तथा केंद्रीय नागरिक विमानन मंत्री राममोहन नायडु सहित कई मंत्री, सांसद, विधायक एवं लाखों लोग उपस्थित रहे।इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायडु ने देश की अधिकार भाषा हिंदी में भाषण देकर देशवासियों को हिंदी के राष्ट्रीय महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर हिंदी सेवासदन के संस्थापक सचिव एवं हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबु नायडु को धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि एक दक्षिण भारतीय राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा हिंदी में भाषण देना पूरे दक्षिण भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है। इससे हिंदी प्रेमियों में प्रसन्नता की लहर है।उन्होंने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के विद्यालयों में प्राथमिक स्तर से हिंदी भाषा को एक पाठ्यक्रम के रूप में लागू करने से विद्यार्थियों को आरंभिक स्तर पर ही देश की अधिकार भाषा हिंदी का सुदृढ़ ज्ञान प्राप्त होगा। हिंदी शिक्षा से देश और विदेश दोनों स्तरों पर रोजगार की संभावनाएँ बढ़ती हैं। आज कई विदेशी विद्यालयों में भी हिंदी को ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है।इसी कारण आंध्र प्रदेश राज्य के विद्यालयों में प्राथमिक स्तर से हिंदी भाषा पाठ्यक्रम लागू करना आवश्यक है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायडु, शिक्षा मंत्री नारा लोकेश, उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण सहित अन्य मंत्रियों, विधायकों और सांसदों को ज्ञापन सौंपे गए हैं।

बिहार समाज सेवा संघ के छठ महोत्सव की तैयारियाँ जोरों पर

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएमडीसी के स्वतंत्र निदेशक एवं महाराष्ट्र बीजेपी के सचिव श्री भरत बाबूराव पाटील को हैदराबाद में आयोजित हो रहे भव्य छठ महोत्सव का निमंत्रण पत्र बिहार समाज सेवा संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, हैदराबाद अध्यक्ष मनीष तिवारी, कोषाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, छठ पूजा प्रभारी प्रताप गौरव सिंह तथा संघ के अन्य पदाधिकारियों द्वारा होटल ताज कृष्णा में सौंपा गया। इस अवसर पर मुंबई के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री अगस्त आनंद तथा डॉ. देवकुमार पुखराज भी उपस्थित रहे।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संघ द्वारा यह पवित्र छठ पूजा महोत्सव 26 अक्टूबर से 28 अक्टूबर 2025 तक बेबी पॉन्ड-1, हर्बल गार्डन, संजीवैय्या पार्क के सामने, नेकलेस रोड, हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियाँ ज़ोर-शोर से चल रही हैं।छठ घाट पर भव्य रंग-बिरंगी सजावट, श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्थाएँ, जलाशय की सफाई तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए जा रहे हैं। इस अवसर पर भजन संध्या, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, और लोकगीत कार्यक्रम होंगे। पवन पांडेय एंड टीम तथा सुप्रसिद्ध लोकगायिका तत्शा गुप्ता सहित भोजपुरी गायक-कलाकारों की भजन मंडली के बीच छठ मैया की आराधना का विशेष अनुष्ठान परंपरागत विधि से संपन्न होगा।

संघ के राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा ने बताया कि बिहार समाज सेवा संघ हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित छठ पूजा घाट, नेकलेस रोड हर्बल गार्डन के समीप बेबी पॉन्ड में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है, क्योंकि छठ पर्व पूरी पवित्रता और नेम-टेम से मनाया जाने वाला त्यौहार है। इसमें स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जाता है। तालाब में व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए ताज़ा पानी डलवाया जाता है। बैठने की जगह, वस्त्र परिवर्तन तथा ठहरने के लिए भी उत्कृष्ट व्यवस्था समाज के पदाधिकारियों द्वारा तेलंगाना राज्य सरकार के सहयोग से कराई जाती है।

श्री ओझा ने आगे बताया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि छठ पूजा के वैज्ञानिक मूल्य भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। यह पर्व सूर्य उपासना पर आधारित है, जो शरीर में ऊर्जा, रोग-प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक माना जाता है। व्रत और जल-संयम शरीर की शुद्धि एवं आत्म-नियंत्रण का प्रतीक हैं, जबकि संध्या और प्रातःकालीन अर्घ्य देने का समय पर्यावरणीय संतुलन और जैविक लय के अनुरूप होता है।

श्रीराम मोंटेसरी के छात्रों ने वरिष्ठ नागरिकों संग मनाई दिवाली

हैदराबाद, 16 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक स्पर्श जिसने एकजुटता और सामुदायिक भावना को जीवंत किया – श्रीराम मोंटेसरी, फिल्म नगर के छात्रों ने श्री नगर कॉलोनी स्थित काइट्स सीनियर सिटीजन सेंटर में बुजुर्ग निवासियों के साथ मिलकर दिवाली का उत्सव मनाया।

कनिष्ठ और वरिष्ठ छात्रों के मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे केंद्र को हँसी, संगीत और अनुराग से भर दिया, जिससे यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के लिए रोशनी और आनंद का अविस्मरणीय पर्व बन गया। कार्यक्रम में छात्रों ने श्लोक और भजनों का सुंदर पाठ किया, जो भक्ति और परंपरा का प्रतीक था।

इससे विद्यालय द्वारा व्यावहारिक शिक्षा और संवेदनशीलता पर दिए जाने वाले विशेष जोर का भी परिचय मिला।व्हीलचेयर और आरामदायक कुर्सियों पर बैठे वृद्धजन विद्यार्थियों का उत्साह और प्रेमपूर्वक प्रदर्शन देखते रहे। उनके चेहरों पर फैली मुस्कान इस मिलन की साझा खुशी और अपनत्व का प्रतीक बनी।

कार्यक्रम का वास्तविक सार प्रदर्शनों से आगे जाकर उस आत्मीय संवाद में प्रकट हुआ जो बच्चों और बुजुर्गों के बीच हुआ।

छात्रों ने स्वयं द्वारा बनाए गए दिवाली कार्ड, दीये और शुभकामनाएँ प्रत्येक निवासी को व्यक्तिगत रूप से भेंट कीं। हैप्पी दिवाली की उमंगभरी बधाईयों ने माहौल को और भी उल्लासमय बना दिया।

एक भावुक क्षण में, एक नन्ही छात्रा ने बिस्तर पर लेटी एक वरिष्ठ महिला को अपना हस्तनिर्मित कार्ड सौंपा – उनके बीच हुआ वह संक्षिप्त संवाद करुणा, सम्मान और मानवीय संवेदना की सच्ची झलक पेश कर गया।

यह दिवाली यात्रा वास्तव में प्रकाश, प्रेम और दान के सच्चे अर्थ को मूर्त रूप देने वाली रही। बच्चों की मुस्कानें, सद्भावना से भरे हावभाव और निस्वार्थ समर्पण ने न केवल काइट्स सीनियर सिटीजन सेंटर के दिन को रोशन किया, बल्कि सहानुभूति और अंतरपीढ़ीगत संबंधों की अनमोल सीख भी छोड़ गई।

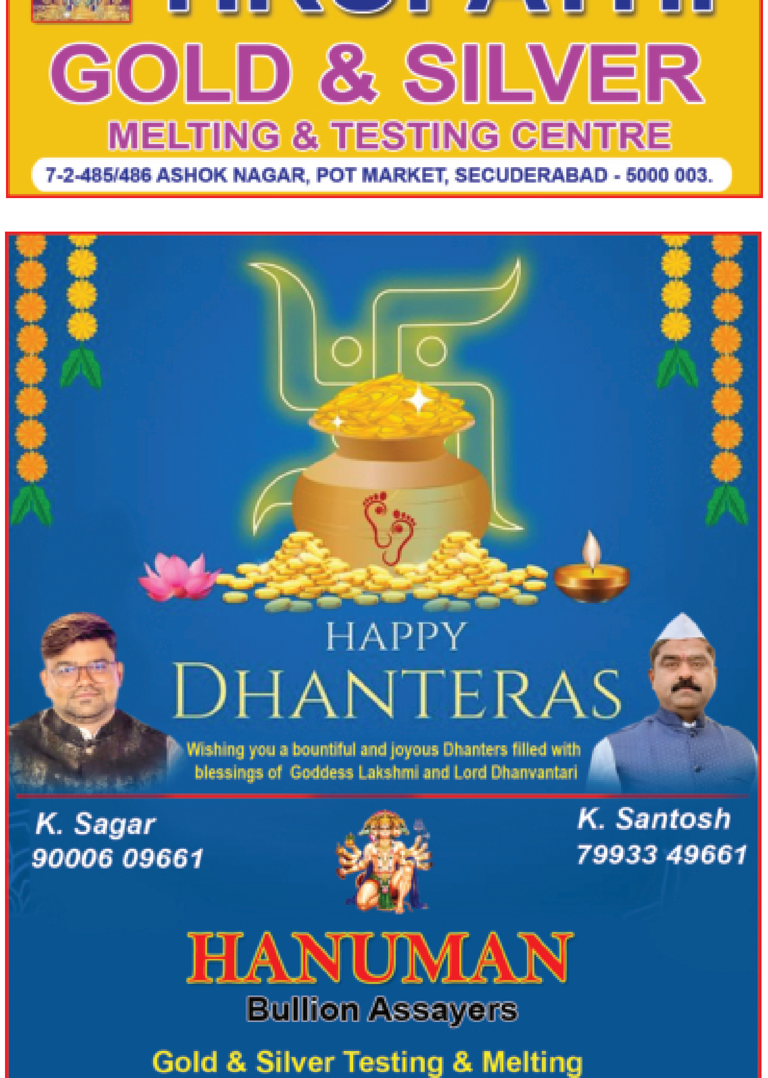

हिंदी से दूर होना चिंता का विषय : बंडारू दत्तात्रेय

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आज के समय में दिन-प्रतिदिन हिंदी का प्रयोग घटता जा रहा है और लोग हिंदी भाषा से दूर होते जा रहे हैं, जो कि चिंता का विषय है।

वे यहां हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन द्वारा प्रकाशित दिवाली विशेषांक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। लोकार्पण के पश्चात उन्होंने कहा कि आजकल शिक्षा में अंग्रेज़ी माध्यम को ही अधिक महत्व दिया जा रहा है, जबकि हिंदी पूरे भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली सरल और भावनात्मक भाषा है।अपने पुराने दिनों को याद करते हुए श्री दत्तात्रेय ने बताया कि वे युवावस्था में दिलशाद और रॉयल जैसे सिनेमाघरों में हिंदी फ़िल्में देखने जाया करते थे।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबु नायडु द्वारा श्रीशैलम में हिंदी में उद्बोधन देने की सराहना की तथा दक्षिण भारत के अन्य मुख्यमंत्रियों से भी उनका अनुसरण करने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार भले ही हिंदी का विरोध करे, पर वहां के लोग आवश्यकता पड़ने पर हिंदी बोलते और समझते हैं। इतना ही नहीं, राज्य में आज भी लोग बड़े पैमाने पर हिंदी सिनेमा देखते हैं।श्री दत्तात्रेय ने हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन द्वारा हिंदी के प्रसार और विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इस दिशा में निरंतर कार्य किया जाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के नवीन सदस्यों को परिचय पत्र भी प्रदान किए।प्रधान संपादक एवं इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म की प्राचार्य माला अग्रवाल ने बताया कि हिंदी जर्नलिस्ट असोसिएशन द्वारा पिछले एक दशक से दक्षिण भारत में हिंदी पढ़ो, हिंदी पढ़ाओ मुहिम चलाई जा रही है, जिसे धीरे-धीरे व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने सभी हिंदी भाषियों से इस आंदोलन से जुड़ने का आग्रह किया।

ROUND TABLE INDIA
ADOPT · ADAPT · IMPROVE

SECUNDERABAD CITY ROUNDTABLE 89

Tr. Kapil. B. Baldev
Chairman
SCRT 89
2025-26
Aspire to Achieve

BUILDING SCHOOLS. HEALING LIVES.
EMPOWERING COMMUNITIES.

Secunderabad City Round Table 89
wishes you and your family a

Happy & Prosperous Dhanteras!

(May this Dhanteras bring you light,
health, and happiness!)

MPL®

STEEL PIPES

Issi par hai bharosa

May this Dhanteras bring
prosperity, happiness, and good fortune to all

MPL Steel Pipes has been a trusted name since 1959, synonymous with high-quality steel. Our pipes undergo more than 40 quality checks, ensuring unmatched strength and durability. We cater to your residential and commercial structural requirements with 4000+ applications, backed by our product range of 450+ product sizes.

- SMOOTH EDGES
- EYE CATCHING AND ATTRACTIVE
- STRAIGHT PIPE
- CONSISTENT THICKNESS & WEIGHT
- QUALITY CHECKS
- WORLD CLASS MANUFACTURING PROCESS
- DEFECT FREE SEAM WELD
- EASY TO USE/ FABRICATE
- EASY IDENTIFICATION THICKNESS WISE COLOR CODING & BUNDLE TAGS
- WIDE RANGE 450 + SIZES
- MADE FROM THE FINEST IRON ORE IN THE WORLD
- BIS STANDARD HR COILS

TÜV INDIA
ISO 9001 + ISO 14001 + ISO 45001 Certified

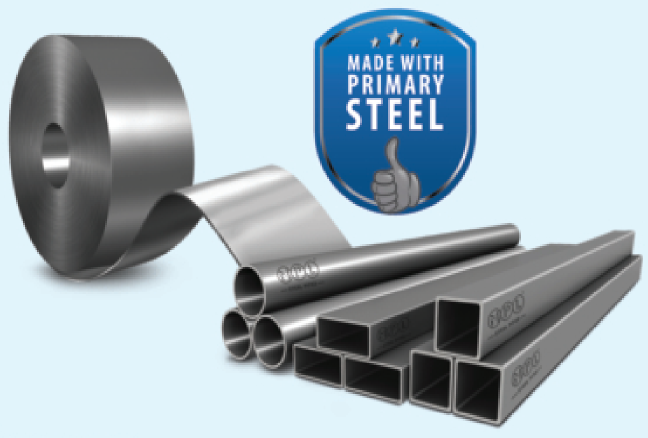

Reach out to us on 040-67330000 www.mplsteelpipes.com

MPL House, Pillar No. 75, 13-6-439/1/A/111/10&11, Balaji Nagar, Mehdipatanam Road, Hyderabad – 500006.

MADE FROM 100% IS 10748 CERTIFIED HR COIL

HAPPY Dhanteras

धन्वतरि पर्व के शुभ अवसर पर आप सबको
हार्दिक शुभकामनाएं

SHYAM BAHETI
MANOJ BAHETI
VISHAL BAHETI

GAURAV BAHETI
YASH BAHETI

Baheti Steel Traders

YOUR TRUSTED TMT DISTRIBUTOR

BAHETI STEEL TRADERS LLP
3-1-336, ESAMIYA BAZAR,
KOTI, HYDERABAD, 27.
+917036525252

BAHETI STEEL INDUSTRIES
11/3, NACHARAM - MALLAPUR RD,
BABA NAGAR, NACHARAM,
SECUNDRABAD, 76.
+919393945252

BAHETI STEELS
MOHAN NAGAR,
VIVEKANANDA COLONY,
BAIRAMALGUDA, 74.
+919393000632

आपको और आपके समस्त परिवार को
धनतेरस
की
हार्दिक शुभकामनाएँ
TECHNOSTRENGTH PVT.LTD
An ISO 9001:2015,14001:2015 and OHSAS 18001 Company
Oil Field Equipment and Gas Turbine Auxilliaries
Address : Plot # 131,132 & 20/A
Pashamylaram Industrial Park, Phase-III,
Patancheru Mandal-502307, Sangareddy Dist,
Telangana State. Ph +040 40123071 - 3074
TECHNOSTRENGTH
शुभ धनतेरस

रेवंत रेड्डी ने की शिक्षा योजनाओं की समीक्षा, शहरी स्कूलों और छात्र कल्याण पर दिया विशेष जोर

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक में वंचित छात्रों के लिए शैक्षिक सुविधाएँ बेहतर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शुरुआत में बाहरी रिंग रोड के भीतर स्थित प्रमुख शहरी क्षेत्रों के स्कूलों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए, जिससे उन्हें आधुनिक बुनियादी ढाँचा, पर्याप्त कक्षाएँ, सुव्यवस्थित खेल मैदान और अनुकूल शिक्षण वातावरण प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जिन विद्यालयों में जगह की कमी है, वहाँ छात्रों के बेहतर समावेश और सुविधाओं के लिए आसपास की सरकारी भूमि की पहचान कर उसका उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

राज्य में प्रारंभिक शिक्षा की पहुँच का विस्तार करने के उद्देश्य से उन्होंने एक पायलट परियोजना के रूप में नर्सरी से कक्षा चौथी तक की कक्षाओं वाले नए स्कूलों की स्थापना का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, उन्होंने छात्रों के पोषण और समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए दूध, नाश्ता और मध्याह्न भोजन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को विस्तृत योजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आगे कहा कि इन नव नियोजित स्कूलों को वर्ष 2026 के शैक्षणिक सत्र से प्रारंभ करने के लिए एक व्यवस्थित कार्य योजना तैयार की जाए। यह पहल राज्य सरकार के उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसके अंतर्गत बाल शिक्षा की नींव को मजबूत करते हुए सभी विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सेवा का मौका ईश्वर का उपहार : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दीनहीन की सेवा करने का अवसर हर किसी के नसीब में नहीं होता ये तो ईश्वर का उपहार है उक्त विचार राधे राधे ग्रुप के संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने व्यक्त किये।नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि राधे राधे ग्रुप विगत पन्द्रह महिने से निविघ्व निशुल्क नियमित अन्नदान कर रहा है जो अपने आप में एक मिसाल है।इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगतराम गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, सुशील

महंत कमल नयनदास का नगरागमन पर भव्य स्वागत

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पूज्य वैष्णव कुलभूषण, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष परम पूज्य श्री श्री 1008 महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज के उत्तराधिकारी परम पूज्य श्री श्री 108 महंत कमल नयन दास जी महाराज का एयरपोर्ट शमशाबाद पर पावन भाग्यनगर की भूमि पर आगमन हुआ।

उनके स्वागत में उदासीन मठ के महंत श्री अरुण दास जी महाराज, जगन्नाथ मठ खाकी अखाड़ा के श्री महंत अमृत दास खाकी जी महाराज, मूसा पेट श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत मदन मोहन दास जी, सुनील कुमार पाण्डेय एवं विजय कुमार तोतला सहित अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

भारत की आत्मा है गौ माता : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन और भारत की आत्मा है गोमाता, इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती उक्त विचार राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने व्यक्त किये। बेगम बाजार स्थित गौशाला के सामने आज गोवत्स द्वादशी के उपलक्ष्य में आयोजित नियमित अन्नदान एवं गोसेवा कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि गो माता की महिमा शब्दों में बयां नहीं की जा सकती । गाय हमारी , हमारे देश की पहचान है। गाय के बिना जीवन अधूरा है जब तक गौ माता इस सृष्टि पर रहेगी तभी तक मनुष्य का जीवन रह सकता है।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, पन्नालाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल भाई ,अरुण विजयवर्गीय ,लता गोयल ,नीलम विजयवर्गीय ,मीना अग्रवाल ,शर्मिला अग्रवाल एवं आशीष सहित बड़ी संख्या में राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे ।

सी. रविंदर रेड्डी बने एआईएफएमपी के अध्यक्ष

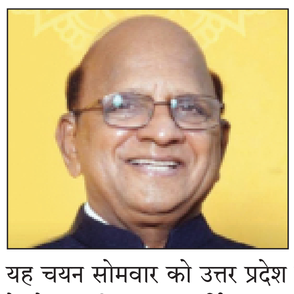

हैदराबाद, 17 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सी. रविंदर रेड्डी को वर्ष 2025-26 के लिए ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स (एआईएफएमपी) का अध्यक्ष चुना गया है। यह चयन सोमवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित फेडरेशन की 72वीं वार्षिक जनरल बॉडी मीटिंग में संपन्न हुआ।

श्री रेड्डी वर्तमान में तेलंगाना ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (टीओपीए), हैदराबाद के अध्यक्ष हैं तथा इससे पहले वर्ष 2021-22 के दौरान एआईएफएमपी के जनरल सेक्रेटरी के तौर पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। प्रिंटिंग उद्योग में अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता के अलावा, वे पब्लिक रिलेशंस वॉयस पत्रिका के प्रिंटर एवं प्रकाशक भी हैं - यह भारत का एकमात्र जर्नल है जो विशेष रूप से जनसंपर्क व्यवसाय को समर्पित है। इस प्रकाशन की शुरुआत स्वर्गीय डॉ. सी. वी. नरसिम्हा रेड्डी द्वारा की गई थी।

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंटर्स (एआईएफएमपी), जिसकी स्थापना वर्ष 1953 में हुई थी, देशभर के 2.5 लाख से अधिक प्रिंटर्स का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे बड़ी संस्था है। इस फेडरेशन से लगभग 15 लाख लोग प्रत्यक्ष रूप से और 10 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त, देशभर के 76 क्षेत्रीय प्रिंटिंग एसोसिएशनों से यह संगठन अपनी शक्ति और एकजुटता प्राप्त करता है, जो भारत की प्रिंटिंग इंडस्ट्री की संयुक्त आवाज़ के रूप में कार्य करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.